राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 9 जनवरी-2022 वर्ष-4,अंक-347 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में सात चरणों में होंगे मतदान,

किसानों आन्दोलन के गढ़ रहे क्षेत्र से होगी शुरुआत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखनऊ,उत्तर प्रदेश में 18वीं विधानसभा के गठन का कार्यक्रम तय हो गया है। राज्य में आगामी दस फरवरी से मतदान होंगे। केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के 403 विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान का कार्यक्रम जारी किया है। उत्तर प्रदेश में सात चरण में मतदान होगा, जबकि दस मार्च को परिणाम जारी होंगे। उत्तर प्रदेश में मतदान का पश्चिमी उत्तर प्रदेश से प्रारंभ होकर ब्रज, रूहेलखंड, मध्य तथा बुंदेलखंड के साथ पूर्वांचल में समाप्त होगा। पश्चिमी उप्र वही क्षेत्र है जहां किसान आन्दोलन का व्यापक असर देखा गया था।

चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक पहले चरण का मतदान दस फरवरी को होगा। उत्तर प्रदेश में पहले चरण में 11 जिलों की 58 सीटों पर चुनाव होंगे। इसमें शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ हापुड़, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा आगरा और अलीगढ में मतदान होगा। वहीं दूसरे चरण का मतदान 14 फरवरी को होगा। दूसरे चरण में 09 जिलों के 55

विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, संभल, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, बदायूं, और शाहजहांपुर के मतदाता वोट डालेंगे।

इसी प्रकार तीसरे चरण का मतदान 20 फरवरी को होगा। इसमें 16 जिलों के 59 विधानसभा क्षेत्रों में कासगंज, हाथरस, फिरोजाबाद, एटा, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर देहात, कानपुर नगर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झाँसी और ललितपुर में वोटिंग होगी। वहीं चैथे चरण में 23 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। 09 जिलों के 60 विधानसभा क्षेत्रों में चैथे चरण के दौरान चुनाव होंगे। इस चरण में पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ उन्नाव, रायबरेली, फतेहपुर तथा बांदा में मतदान होगा।

जबकि पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश में 27 फरवरी को मतदान होगा। इसमें 11 जिलों के 60 विधानसभा क्षेत्र में मतदान होगा। इस चरण में श्रावस्ती, बहराइच, बाराबंकी, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, और चित्रकूट में मतदान होगा। छठें चरण में तीन मार्च को वोट डाले जाएंगे। इस चरण में दस जिलों की 57 विधानसभा सीट पर मतदान होगा। इस चरण में बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, आंबेडकर नगर, गोरखपुर, देवरिया तथा बलिया में मतदान होगा। सातवें चरण तथा अंतिम चरण का मतदान सात मार्च को होगा। इसमें 09 जिलों की 54 विधानसभा सीट पर वोटिंग होगी। इस चरण में आजमगढ़, मऊ गाजीपुर, जौनपुर, संत रविदास नगर, वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, चंदौली तथा सोनभद्र जिले में वोट पड़ेंगे।

नौ डिप्टी एसपी व छह एएसपी का तबादला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखनऊ ,उप्र विधानसभा चुनावों की घोषणा से ठीक पहले राज्य सरकार ने शुक्रवार देर रात को नौ डिप्टी एसपी (पुलिस उपाधीक्षक) और

सात एएसपी (अपर पुलिस अधीक्षक) का तबादला कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के मद्देनजर कर दिया। वहीं नई डीपीसी के बाद ४२ सीओ को डिप्टी एसपी पद पर प्रोन्नत के आदेश जारी कर दिए।

जारी तबादला सूची के अनुसार पुलिस उपाधीक्षक सीबीसीआईडी महेन्द्र पाल सिंह को पुलिस उपाधीक्षक एलआईयू अलीगढ़, पुलिस उपाधीक्षक पीटीसी मेरठ प्रीती सिंह को पुलिस उपाधीक्षक एलआईयू मेरठ, पुलिस उपाधीक्षक एटा कमलेश त्रिवेदी को पुलिस उपाधीक्षक एलआईयू बरेली, सहायक सेना नायक पीएसी वाराणसी अखिलेश राय को पुलिस उपाधीक्षक वाराणसी ग्रामीण, पुलिस उपाधीक्षक शामली अमित सक्सेना को सहायक सेना नायक पीएसी गाजियाबाद, पुलिस उपाधीक्षक गाजियाबाद बिजेन्द्र सिंह भड़ाना को पुलिस उपाधीक्षक शामली, पुलिस उपाधीक्षक सीबीसीआईडी विनोद कुमार शर्मा को पुलिस उपाधीक्षक ललितपुर, पुलिस उपाधीक्षक पीटीसी सीतापुर विनोद कुमार द्विवेदी को पुलिस उपाधीक्षक हरदोई और पुलिस उपाधीक्षक प्रतापगढ़ संजीव कटियार को पुलिस उपाधीक्षक सोनभद्र के पद पर भेजा गया है।

दूसरी तरफ अपर पुलिस अधीक्षक पीटीएस, सुल्तानपुर लाल भरत कुमार पाल को अपर पुलिस अधीक्षक सुरक्षा, गोरखनाथ मन्दिर, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, लखनऊ अनिल कुमार झा को अपर पुलिस अधीक्षक ध् स्टाफ आफिसर अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन, अपर पुलिस अधीक्षक अपराध गोरखपुर डॉ महेन्द्र पाल सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक यातायात, गोरखपुर बनाया गया है। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक यातायात गोरखपुर इंदु प्रभा सिंह को उनके स्थान पर भेजा गया है। जबकि अपर पुलिस अधीक्षक अभिसूचना विनय चन्द्रा को अपर पुलिस अधीक्षक यातायात, अलीगढ़ और अपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र विजय शंकर मिश्रा को अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल, सोनभद्र के पद पर तैनाती दी गई है।

इसके अलावा प्रदेश सरकार ने ४२ डिप्टी एसपी को प्रोन्नत करके एएसपी बना दिया है। इसके अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने आदेश जारी कर दिए हैं। इसमें लखनऊकी एसीपी श्वेता श्रीवास्तव समेत ४२ को श्रेष्ठा सूची के आधार पर प्रोन्नत किया गया है। इसमें अमित किशोर श्रीवास्तव, नितेश सिंह, कालू सिंह, अल्का धर्मराज सिंह, चक्रपाणि त्रिपाठी, बृजेश कुमार सिंह, विजय शंकर मिश्र, पीयूष कुमार सिंह, आतिश कुमार सिंह, अनिल कुमार, अरुण कुमार सिंह, श्रीकांत प्रजापति, अल्का, प्रदीप कुमार वर्मा, अशोक कुमार सिंह, विभा सिंह, बबिता सिह, रचना मिश्र, मुकेश चन्द्र उत्तम, कृपा शंकर, कृष्णकांत सरोज, रंजन सिंह, महेन्द्र पाल सिंह, भीम कुमार गौतम, धरम सिंह मार्छाल, राजेश कुमार, प्रवीण कुमार यादव, दुर्गा प्रसाद तिवारी, ज्ञानवती तिवारी, अखिलेश सिंह, विजेन्द्र द्विवेदी, निशांक शर्मा, डा राकेश कुमार मिश्र, स्पेश सिंह, जितेन्द्र कुमार दुबे, राजीव सिंह, श्वेता श्रीवास्तव, अल्का भटनागर, विशाल यादव, गीतांजलि सिंह, अमित नागर और अमिता सिंह का नाम शामिल हैं।

यूपी के कई जिलों में बारिश से बदला मौसम, तेज हवाओं ने बढ़ाई ठंड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखनऊ यूपी के लखनऊसमेत कई जिलों में पिछले कुछ समय से हो रही बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। कभी रिमझिम बारिश तो कभी झमाझम बारिश होने लगती है। शनिवार सुबह हल्की बारिश और तेज हवा ने भी ठंड को बढ़ा दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार को भी अधिकांश जगह पर हल्की या तेज बारिश होगी। मौसम विभाग ने आने वाले दो दिनों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। लखनऊ में आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता के अनुसार, आने वाले दो से तीन दिनों तक मौसम इसी तरह बना रहेगा।

मौसम विभाग का अनुमान रविवार को भी हल्की या तेज बारिश होगी

पश्चिमी उप्र के साथ ही ब्रज क्षेत्र और रूहेलखंड में बारिश जारी है। मेरठ और आसपास के जिलों में लगातार बारिश हो रही है। मुजफ्फरनगर में बारिश से सर्दी बढ़ गई है वैसे भी तीन दिन से ठीक से धूप नहीं निकली है। बारिश से दैनिक कार्य प्रभावित हुए हैं। वहीं फसलों पर भी प्रभाव पड़ा है। बरेली में हल्की बारिश हो रही है तो पीलीभीत व बदायूं में बादल छाए हैं। शाहजहांपुर में मौसम खुला है। मुरादाबाद और आसपास बूंदाबांदी हो रही है। अभी तक बादल छाए हैं धूप नहीं निकली है। गांव में लोग अलाव जलाकर ठंड से संघर्ष करने के प्रयास में हैं। बुंदेलखंड के बांदा तथा पास के जिलों में बारिश हो रही है। कानपुर में भी तेज हवा के साथ बारिश ने गलन को बढ़ा दिया है। ब्रज क्षेत्र में भी मौसम बदला है। यहां के कई जिलों में बूंदाबांदी तो कहीं पर तेज बारिश हो रही है। ताजनगरी आगरा में बूंदाबांदी हो रही है।

डिजिटल रैली में बीजेपी से मुकाबला नहीं कर सकते, पैसे दे चुनाव आयोग-अखिलेश यादव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखनऊचुनाव आयोग ने शनिवार को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने किसी भी राज्य में रैलियों और रोड शो के आयोजन की इजाजत नहीं दी है। आयोग के इस फैसले से समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव नाखुश नजर आये। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग यूपी विधानसभा चुनाव २०२२ में राजनीतिक दलों के लिए वर्चुअल रैलियों के पक्ष में है, तो आयोग को इसे सभी राजनीतिक दलों के लिए एक समान खेल मैदान बनाना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि पहली बार कोरोना के समय में इस तरह से चुनाव हो रहा है। आयोग ने कई तरह के नियम बनाए हैं। लेकिन वर्चुअल रैलियों की हम बात करें तो आयोग को उन पार्टियों के बारे में भी सोचना चाहिए, जिनके पास वर्चुअल रैली के लिए पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को विपक्षी दलों को टीवी पर अधिक समय देना चाहिए और यह फ्री में मिलना चाहिए। भाजपा के पास पहले से ही बहुत इन्फ्रास्ट्रक्चर है। इलेक्शन बॉन्ड भी उन्हें ही सबसे ज्यादा मिलते हैं। विपक्षी पार्टियों को भी कहीं न कहीं स्पेस मिलना चाहिए। भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पंचायत चुनाव में लोगों ने देखा था कि भाजपा के कार्यकर्ता अधिकारी बन गए थे। कोरोना के काल में लोगों ने देखा था कि कैसे लोगों के परिजनों को ऑक्सीजन नहीं मिले और बिस्तर नहीं मिले। चुनाव आयोग को सख्ती सरकार के लिए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि १० मार्च को भाजपा का सफाया हो जाएगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को कुछ फंड देना चाहिए ताकि वे (राजनीतिक दल) एक कदम आगे बढ़ें, बुनियादी ढांचा तैयार करें क्योंकि हम भाजपा के बुनियादी ढांचे के साथ मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए हम अपील करते हैं कि चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को सरकार से कुछ फंड दिलवाना चाहिए ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी राजनीतिक दल जिनके पास भाजपा की तरह मजबूत नहीं है, वे मुकाबला करने में सक्षम हों।

यूपी विस चुनाव में होगी 150 कंपनी अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखनऊ,यूपी में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पहले चरण के लिए 150 कंपनी अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती क

10 जनवरी से स्थानीय पुलिस बल के साथ करेंगी फ्लैग मार्च:एडीजी

फैसला किया है। इनको 10 जनवरी से पहले चरण में जिलों में तैनात किया जाएगा। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इन अर्द्धसैनिक बलों में से 50 कंपनी सीआरपीएफ, 30 कंपनी बीएसएफ, 20 कंपनी सीआईएसएफ और 20 कंपनी आईटीबीपी की होंगी। इन कंपनियों को 78 जिलों व पुलिस कमिश्नरेट में संवेदनशीलता एवं आवश्यकता के अनुसार आवंटित कर दिया गया है। इनको स्थानीय पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च करने को कहा गया है।

जनपदों के पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी अपने जनपद के पुलिस बल को लगाकर विधानसभा चुनावों को देखते हुए एरिया डॉमिनेशन हेतु फ्लैग मार्च करवाएंगे। जिससे लोगों में सुरक्षा का अहसास हो और चुनाव प्रक्रिया के शांतिपूर्ण व भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न होने का विश्वास कायम रहे। लखनऊ आगरा, अलीगढ़, गोरखपुर, वाराणसी व कानपुर में तीन कंपनी को लगाया गया है। वहीं प्रयागराज में सबसे ज्यादा चार कंपनी को लगाया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

जब भी कोई हंसने का अवसर मिले तो, 'हंसे' यह एक सुलभ दवा है। - लार्ड ब्रायन

संपादकीय

फिर लाख पार

भारत में कोरोना मामलों का दैनिक आंकड़ा एक लाख से ऊपर पहुंच जाना चिंता की बात है। भारत में पिछले दस दिन में कोरोना मामलों में दस गुना से ज्यादा वृद्धि हो चुकी है। 28 दिसंबर को संक्रमण के सिर्फ 9,155 मामले आए थे और 6 जनवरी को 1,17,000 मामले सामने आ गए हैं। विशेषज्ञों ने बता दिया है कि देश में तीसरी लहर आ चुकी है। आगे क्या स्थिति होगी, इस पर अलग-अलग तरह की राय भी आने लगी है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि तीसरी लहर ज्यादा घातक नहीं होगी, तो कुछ विशेषज्ञ इसके ज्यादा खतरनाक होने की आशंका जता रहे हैं। हालांकि, इस बात पर सब सहमत हैं कि नए वायरस का संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। यही कारण है कि दिल्ली ही नहीं, मुंबई में भी मामले मई अर्थात दूसरी लहर के स्तर पर पहुंच गए हैं। गुरुवार को महाराष्ट्र 36,365 नए मामलों के साथ देश में सबसे आगे रहा। सबके मन में यही सवाल है कि आखिर किसी सीमा तक जाएगी महामारी? एक अनुमान है कि जनवरी के अंत में कोरोना मामले चरम पर होंगे। दूसरा अनुमान, आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर महेंद्र अग्रवाल ने कहा है कि संक्रमण के चरम दौर में देश में प्रतिदिन 4 से 8 लाख तक मामले मिल सकते हैं। तीसरा अनुमान, कड़े प्रतिबंधों के चलते लहर कुछ देर से आएगी, पर यह ज्यादा समय तक ठहरेगी। कितने समय तक ठहरेगी, कोई वैज्ञानिक यह बताने की स्थिति में नहीं है। चौथा अनुमान यह है कि लॉकडाउन बहुत कारगर नहीं होगा, शायद ऐसा अनुमान इसलिए है कि लॉकडाउन से दूसरी तरह की आर्थिक-सामाजिक-मानसिक समस्याएं बढ़ जाएंगी। पांचवां अनुमान है, तीसरी लहर में स्वास्थ्य व्यवस्था पर दूसरी लहर जैसा दबाव देखने को नहीं मिलेगा। अगर स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव नहीं पड़ता है, अभाव, कालाबाजारी का दौर नहीं लौटता है, तो भारतीय समाज आसानी से तीसरी लहर का मुकाबला कर लेगा। सुविधाओं की घोषणा भर से काम नहीं चलेगा, शासन-प्रशासन को आगे आकर लोहा लेना होगा। महामारी को खतरनाक होने से रोकना एक-एक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। सबसे जरूरी है सावधान रहना और लक्षण की स्थिति में संक्रमण का वाहक बनने से बचना। याद रखना चाहिए, दूसरी लहर व्यवस्थागत कमियों ही नहीं, बल्कि लोगों की लापरवाही का भी नतीजा थी। तीसरी लहर के समय इन दोनों पहलुओं पर खास ध्यान देना होगा। पहले की तमाम गलतियों को ध्यान में रखते हुए चलना होगा। जगह-जगह लॉकडाउन की कमोबेश वापसी होने लगी है। संपूर्ण लॉकडाउन लगाने से ज्यादा जरूरी है कि पहली व दूसरी लहर से सबक लेकर स्वास्थ्य व बचाव योजनाओं का सही क्रियान्यन हो। इंतजाम केवल कागजी न रहें, बिस्तर, ऑक्सीजन व जरूरी दवाइयों का अभाव न हो। पिछली लहर के समय डॉक्टर व समाजसेवी तो जी-जान से लगे हुए थे, पर राजनीतिक कार्यकर्ताओं व नेताओं को महामारी से जूझते कम देखा गया था। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए। महामारी के समय किसी भी तरह की कमी या अपराध को रोकना जन-प्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कर्फ्यू की वापसी हो रही है, तो जरूरतमंदों को किसी अभाव से बचाना भी जरूरी है। आपदा में अवसर तलाशने वालों का नहीं, बल्कि इंसानों व इंसानियत की परीक्षा का समय आ गया है।

कोरोना की लहर में नहीं समझें अपने को सुपरमैन, प्रोटोकॉल का पालन करे

- सुरेन्द्र कुमार किशोरी

भारत में कोरोना की दूसरी लहर के लिए डेल्टा वेरिएंट जिम्मेदार था, जिसने व्यापक तबाही मचाई थी और हेल्थ सिस्टम को बुरी तरह से झकझोर कर रख दिया था। कहीं ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मचा था तो कहीं रेमिडिसिवर इंजेक्शन के लिए। ओमिक्रोन कोरोना के डेल्टा वेरिएंट्स से काफी अधिक संक्रामक है। ओमिक्रोन में 30 से अधिक म्यूटेशन मिले हैं, जबकि डेल्टा वेरिएंट में करीब 15 म्यूटेशन मिले थे, इसके डेल्टा वेरिएंट की तुलना में अधिक संक्रामक होने की मूल वजह यही है, इसी कारण डब्लूएचओ ने इसे 卐वेरिएंट ऑफ कंसर्न卐 की कैटेगरी में डाला है। कोरोना को लेकर लगातार अध्ययन कर रहे डॉ. अभिषेक कुमार ने बताया कि इस वेरिएंट के दहशत के बीच लोगों के मन में यह सवाल प्रमुखता से उठ रही है कि आखिर जो लोग वैक्सीन का दोनों डोज लिए हुए हैं, उनके ऊपर इस वैरिएंट का क्या असर होगा और यह वैरिएंट किस आयु वर्ग के लोगों को सर्वाधिक प्रभावित कर सकता है, इस वेरिएंट का पता कैसे चलेगा? पहले सवाल का जवाब यह है कि अभी तक हेल्थ एक्सपर्ट यह क्लियरकट रूप से जान नहीं पाए हैं कि जो व्यक्ति वैक्सीन के दोनों डोज से इम्म्यूनेटेड हैं, उनपर यह वैरिएंट कितना असर करता है। लेकिन यह आशंका जरूर व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह नया वेरिएंट वैक्सीन से मिली रोग प्रतिरोधक क्षमता पर हावी न हो जाए। इसलिए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है और कहा जा रहा कि केवल वैक्सीन की इम्यूनिटी पर निर्भर नहीं रहें। जिन व्यक्तियों को आठ-नौ महीने पहले ही वैक्सीन लग चुकी हो निश्चित रूप से उनके इम्युनिटी में अब कुछ कमी आ गई होगी। इस स्थिति में वैक्सीन के बूस्टर डोज पर ही हेल्थ प्रोफेशनल्स के बीच में बहस छिड़ी हुई है। हेल्थ एक्सपर्टों के बीच बूस्टर डोज को लेकर एक आम राय यह बन रही है कि बूस्टर डोज के लिए वैक्सीन में बदलाव होना चाहिए। उदाहरण के लिए, जिन लोगों को कोविशील्ड का पहला और दूसरा टीका लगाया गया है, उन्हें कोवैक्सीन का बूस्टर डोज दिया जाना चाहिए। वैक्सीन का प्लेटफॉर्म बदलने के इस प्रयोग से इम्यूनिटी बूस्ट हो जाती है। इसके अतिरिक्त बूस्टर डोज के लिए वैसे व्यक्तियों को प्रमुखता दी जानी चाहिए, जिन्हें वैक्सीन का दोनों डोज आठ-नौ महीने पहले लग चुका है। दूसरे सवाल का जवाब यह है कि इस वेरिएंट से प्रभावित आयुवर्ग के आंकड़ों पर नजर दौड़ाने से यह स्पष्ट होता है कि अब तक यह एक साल से आठ साल तक के बच्चे से लेकर 80 साल के बूढ़े व्यक्ति को प्रभावित कर चुका है। इस स्थिति में यह किस आयुवर्ग को अधिक प्रभावित करेगा इसका अंदाजा लगाना कुछ मुश्किल हो रहा है। तीसरे सवाल का जवाब यह है कि इस वैरिएंट का पता भी आरटीपीसीआर जांच के द्वारा ही लगाया जा सकता है। बहरहाल यह तो तय है कि कोरोना के प्रथम और द्वितीय लहर के दौरान जिस तरह से सुरक्षात्मक उपाय जैसे मास्क का प्रयोग, भीड़-भाड़ से बचाव आदि को अपनाए गया, वही उपाय ओमिक्रोन वेरिएंट से भी सुरक्षा प्रदान कर सकती है। अगर व्यक्ति चार से छह सप्ताह सुरक्षात्मक उपाय को सतर्कता के साथ अपनाए रखे तो इस वेरिएंट को नियंत्रण में लाया जा सकता है। ब्रिटिश मेडिकल काउंसिल के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. आर.एस. उपाध्याय के अनुसार ओमिक्रोन वैरिएंट लॉकडाउन से नहीं थम सकता, यह डेल्टा वैरिएंट से अलग है। डेल्टा फेफड़े में जाकर संक्रमण फैलाना शुरू करता है, जबकि यह श्वासनली में जाकर मल्टीप्लिकेशन करता है, इसलिए फेफड़े बच जाते हैं। दूसरी अहम बात यह है कि ओमिक्रोन जब फेफड़ों में जाता है तो डेल्टा के मुकाबले दस गुना धीमी गति से फैलता है। इसलिए मरीज को ऑक्सीजन स्पोर्ट की जरूरत नहीं पड़ रही है। हमारे श्वासनली में म्यूकोसल इम्यून सिस्टम होता है जो इम्युनिटी सिस्टम का केंद्र होता है। यहां एक ऐंटीबॉडी बनता है जिसे आईजी-ए कहा जाता है। चुकी ऑमिक्रॉन यहीं मल्टीप्लिकेशन करता है इसलिए ऐंटीबॉडी तत्काल एक्टिव हो जाते हैं। इससे मरीज जल्दी ठीक भी हो जा रहे हैं, क्योंकि वायरस को यह मौका नहीं मिलता की वह व्यक्ति को गंभीर रूप से बीमार कर सके। मरीज भी तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है। क्योंकि जितने लोगों में यह फैलेगा उन्हें नेचुरल इम्युनिटी मिल जाएगी जो वेक्सीनेटेड इम्युनिटी से अधिक कारगर और टिकाऊ होता है। भारत के लिए साकारात्मक खबर यह है कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में देश को दो और वैक्सीन आपात इश्तेमाल के लिए मिल गयी है एक कोर्बेवैक्स दूसरा कोवोवैक्स। कोर्बोवैक्स पहला स्वदेशी आरबीडी प्रोटीन वैक्सीन है, जिसका निर्माण हैदराबाद की बायोलॉजिकल ई कंपनी ने किया है। जबकि कोवोवैक्स का निर्माण सीरम इंस्टिट्यूट ने किया है। अब तक भारतीय दवा नियामक के द्वारा छह वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दे गई थी- सीरम इंस्टिट्यूट की कोविशिल्ड, भारत बायोटेक की कोवैक्सिन, जायडस कैडिला की जायकोव-डी, रूस की स्पुतनिक-वी, अमेरिका की मोडरना और जॉनसन एंड जॉनसन। इसके अतिरिक्त कोरोना की एन्टीवायरल दवा मोलनुपिरावीर के आपातकालीन नियंत्रित उपयोग की अनुमति भी दी गई है। डॉ. अभिषेक ने बताया कि ऑमिक्रॉन वेरिएंट को हल्के में मत लीजिए, यह बेहद संक्रामक है। यह बात सही है कि जो व्यक्ति वैक्सीन का दोनों डोज लिए हैं, उनमें इसकी मारकता कुछ कम होती है और दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार डेल्टा वेरिएंट की तुलना में इसकी प्रभाव क्षमता कुछ कम है, लेकिन इसका कतई यह अर्थ नहीं कि यह जानलेवा नहीं है। अपने देश की आबादी 140 करोड़ के पार है और आज की तारीख तक सभी व्यक्तियों को वैक्सीन का दोनों डोज नहीं पड़ पाया है। स्थिति ऐसी है कि अभी भी बहुत से लोग वैक्सीन का प्रथम डोज तक नहीं लिए हैं। इस हालात में लोगों के द्वारा बरती जाने वाली लापरवाही कोरोना संक्रमण के लिए एक आमंत्रण है। दूसरी लहर ने हमारे हेल्थ सिस्टम को बुरी तरह से झकझोर कर रख दिया था। चारों तरह ऑक्सीजन, बेड और जीवन रक्षक दवाइयों के लिए हाहाकार मच गया था, अभी भी उस दृश्य को याद कर रेंगटे खड़े हो जाते हैं। पोस्ट कोविड इफेक्ट के कारण अभी भी स्वास्थ्य चरमराया हुआ रहता है। बहुत से लोग पोस्ट कोविड इफेक्ट से पीड़ित हो अवसादित जीवन गुजार रहे हैं। कोरोना की दूसरी लहर ने केवल स्वास्थ्य व्यवस्था को ही ध्वस्त नहीं किया, बल्कि इसने भारत को शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से झकझोड़ कर रख दिया। भारत अभी भी दूसरी लहर द्वारा दिए गए झटके से उबर नहीं पाया है। हालांकि सरकार ने दूसरी लहर की भयावहता से सबक लेते हुए अपने हेल्थ सिस्टम को दुरुस्त करने की कोशिश की, अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया, प्रयाप्त मात्रा में जीवन रक्षक दवाइयों की सप्लाई की जाने लगी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया गया। लेकिन लोगों को यह समझना चाहिए कि सरकार की कवायदों की भी एक सीमा होती है और एक सीमा तक ही यह इतनी वृहद आबादी को सुरक्षा प्रदान कर सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए खुद ही जागरूक बने रहना होगा।

दक्षिणी ध्रुव में हरप्रीत चंडी का प्रचंड

अरुण नैथानी

चारों तरफ निर्जन बर्फीला इलाका, बर्फबारी, रक्त जमाती ठंड में तेज हवाएं और अकेली जान। कल्पना करके ही रूह कांपती है। मगर सही मायनों में चंडी बनकर एक भारतवंशी हरप्रीत ने अकेले बर्फीले दक्षिणी ध्रुव पहुंचकर नया इतिहास रच दिया। एक आम स्त्री से इतर अपनी सीमाओं से परे जाकर हरप्रीत चंडी ने यह कारनामा कर दिखाया। वह कहती भी है कि 'मेरा यह अभियान मेरी क्षमताओं से कहीं आगे था। हममें अपनी सीमाओं से आगे जाकर अनूठा कर गुजरने का संकल्प होना चाहिए। खुद पर विश्वास करने से यह संकल्प पूरा हो सकता है।' अपने इस अभियान में हरप्रीत साहस-संकल्प के साथ आगे बढ़ती गईं। दुनिया को अपने नियमित ब्लॉग लेखन से अपनी कामयाबी के किस्से बताती रही। विषम परिस्थितियों में जूझते हुए आगे बढ़ने में गजब का जज्बा दिखाया हरप्रीत ने। इस तरह वह अकेले दक्षिणी ध्रुव का अभियान पूरा करने वाली पहली अश्वेत महिला बनकर इतिहास का हिस्सा बन गई। दरअसल, दक्षिणी ध्रुव धरती का सबसे ठंडा, सबसे ऊंचा, सर्वाधिक शुष्क व तेज हवाओं वाला महाद्वीप है जहां सामान्य मानव जीवन संभव नहीं है। कोई स्थायी रूप से वहां रह नहीं सकता। यह अभियान शुरू करने से पहले हरप्रीत को भी दुनिया के इस जटिलतम परिवेश वाले इलाके के बारे में कोई खास जानकारी नहीं थी। लेकिन इस दुर्गम इलाके की मुश्किलों ने हरप्रीत को इस इलाके में जाने के लिये प्रेरित किया। दरअसल, बिना किसी सहायता के अकेले इस दुर्गम यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली हरप्रीत ब्रिटिश सेना की सिख रेजिमेंट की सैनिक अधिकारी हैं। कैप्टन हरप्रीत महज उन्नीस साल की उम्र में रिजर्व आर्मी में भर्ती हुई। फिर पच्चीस साल की उम्र में नियमित सेना का हिस्सा बनी। उसकी भूमिका फिजियोथेरेपिस्ट की है। वह सैन्य चिकित्सकों को प्रशिक्षण देती है। वर्तमान में ब्रिटिश सेना में क्लीनिकल ट्रेनिंग अधिकारी है। हरप्रीत ब्रिटेन में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के मेडिकल रेजिमेंट में नियुक्त है। साथ ही उसकी पढ़ाई भी जारी है और क्वीन मैरीज यूनिवर्सिटी से स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन में पीजी कर रही है। एक कुशल धावक भी है। एथलीट के रूप में कई मैराथनों में भाग लिया है। वह संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना का भी हिस्सा रही है, जिसके अंतर्गत उसने नेपाल, केन्या व दक्षिण सूडान में अपनी सेवाएं दीं। इस कामयाबी को अंजाम देने वाली हरप्रीत 'पोलर प्रीत' के नाम से भी जानी जाती है। इस कठिन यात्रा के चालीस दिनों में हरप्रीत ने 1,127 किलोमीटर का सफर तय किया। यह सोचकर रूह कांपती है कि इस निर्जन इलाके में कैसे हरप्रीत ने शून्य से पचास डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान में नब्बे किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड वाली हवाओं के बीच यह यात्रा पूरी की होगी। साथ ही नब्बे किलो भार वाले स्लेज गाड़ी को अकेले खींचना, जिसमें उसका जीवन रक्षा का सामान रहता था। कुछ साल पहले तक ध्रुवीय दुनिया के बारे में कुछ न जानने वाली हरप्रीत आज उस पर विजय पताका लहरा चुकी है। उसकी सफलता का उद्घोष दुनिया को सही मायनों में नारी शक्ति की हकीकत का अहसास करा गया। निस्संदेह, हरप्रीत शारीरिक व मानसिक तौर पर एक मजबूत प्रतिनिधि चेहरा है। वह हमेशा से सामान्य जीवन से इतर कुछ खास करने को प्रतिबद्ध रही है। वह सामान्य से आगे अपना नया सामान्य बनाने में विश्वास रखती है। वह इसे परंपरा से विद्रोह नहीं मानती, लेकिन सामान्य की सीमाओं को तोड़ना चाहती है। अपनी इस जटिल व बेहद कष्टकारी यात्रा का आंखों देखा हाल हरप्रीत बाहरी दुनिया को अवगत कराती रही। इसके लिये उसने लाइव ट्रैकिंग मैप अपलोड किया था। वह इस बर्फीले संसार की हकीकत नियमित ब्लॉग लिखकर शेष दुनिया को बताती रही। फौलादी इरादों वाली हरप्रीत मानती है कि यदि हम इरादा कर लें तो सब कुछ करने में सक्षम हैं। साथ ही अन्य बातें महत्व नहीं रखती हैं कि आप कहां से हैं और कहां से शुरुआत कर रहे हैं। हम में से हर एक कहीं न कहीं तो शुरुआत करता ही है। दरअसल, पोलर प्रीत के नाम से पहचानी जाने वाली हरप्रीत ने अपने साहसिक अभियान की शुरुआत नवंबर, 2021 में की थी। वह सात नवंबर को चिली रवाना हुई, जिसकी शुरुआत उन्होंने दक्षिणी ध्रुव के प्रवेश द्वार हरक्यूलिस इनलेट से अकेली की। यह यात्रा आसान नहीं थी। उसे अपने सामान के लिये नब्बे किलो वजनी स्लेज गाड़ी खींचनी थी, जिसमें करीब डेढ़ माह का भोजन, ईंधन व जरूरी उपकरण भी शामिल थे। इस दुर्गम इलाके में शेष दुनिया से संपर्क के बिना रहना निस्संदेह, बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन उसने ढाई वर्ष की तैयारी में जो जी-जान से मेहनत की, उसने यात्रा का निष्कंट मार्ग प्रशस्त किया। उसने अभियान के लिये फंड जुटाया। इस अभियान के लिये फ्रांस के आल्प्स पर्वत श्रृंखलाओं की बर्फीली दरारों में दक्षिणी ध्रुव की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिये कठोर प्रशिक्षण लिया। साथ ही आइसलैंड के ग्लेशियर पर ट्रैकिंग भी की। कठिन साधना के लिये ग्रीनलैंड के बर्फीले इलाके में करीब एक माह का समय लगाया। साथ ही बर्फ पर भारी-भरकम स्लेज गाड़ी को खींचने का अभ्यास अपनी पीठ पर टायर बांधकर किया। कहते हैं आग में तपकर ही सोना निखरता है, हरप्रीत ने भी कठोर अभ्यास से खुद को दक्षिणी ध्रुव की कठिन परिस्थितियों के अनुकूल ढाला। दक्षिणी ध्रुव से लौटने के बाद हरप्रीत चंडी अपने मंगेतर डेविड जारमैन के साथ नई जिंदगी शुरू करने वाली हैं।

आज के कार्टून

विश्वास

जग्गी वासुदेव

एक दिन अगर, आपका अनुभव आपके मन की सीमाओं से परे उठ जाता है, तो श्रद्धा अपने आप पैदा होती है जबकि विश्वास विकसित की हुई चीज है। श्रद्धा घटित होती है या अगर इसे एक और तरह से कहें, विश्वास दिमाग में जबरन कुछ बैठाना है, जबकि श्रद्धा दिमाग को धोकर साफ और स्पष्ट बनाना है! आध्यात्मिक मार्ग पर चलने के लिए आपको थोड़ी श्रद्धा चाहिए लेकिन विश्वास नहीं। जब आप कहते हैं, 'मैं विश्वास करता हूं' तो आप मूलतः यह कह रहे हैं कि 'मैं यह स्वीकार करने को इच्छुक नहीं हूं कि मैं नहीं जानता।' जब आप 'मैं नहीं जानता' की अवस्था में होते हैं, तब आप जीवंत, जवाब देने योग्य, बच्चे सरीखे होते हैं, आपका किसी से टकराव नहीं हो सकता। मनुष्य की बुद्धिमत्ता ऐसी है कि यह आपको जीवन के बारे में अचरज में डालती है। जिस पल आप अचरज के इस गहन भाव को एक तय निष्कर्ष से बदल देते हैं, तब आप जानने की सारी संभावनाओं को ही खत्म कर देते हैं। विश्वास में, आपके पास एक नये तरह का आत्मविश्वास होता है, लेकिन बिना स्पष्टता के तय निष्कर्ष खतरनाक हो सकता है, आपके खुद के लिए और दुनिया, दोनों के लिए। जिस पल आप किसी चीज में विश्वास करते हैं, आपका टकराव एक विपरीत विश्वास से होता है। आप इसे मध्यस्थता की बातचीत से टाल सकते हैं। लेकिन टकराव लाजिमी है। आध्यात्मिक होने के लिए आपको किसी धर्म का पालन करने की जरूरत नहीं है। अक्सर शिकायत सुनाई पड़ती है कि आज की पीढ़ी धार्मिक नहीं है यानी इसके विश्वास पिछली पीढ़ी की तरह नहीं हैं। निजी तौर पर मेरी कामना है कि और ज्यादा युवा किसी विश्वास को न मानने वाले हों। यह दुनिया में एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है जब युवा उस चीज में विश्वास कर लेते हैं जो उनके पिता कहते हैं। उन्हें खोजने के लिए इच्छुक होना चाहिए, खुद से जानने की ललक होनी चाहिए। वह ललक गायब हो गई है, तो आप उन्हें युवा अब और कैसे कह सकते हैं? वे बूढ़े हो गए हैं। आध्यात्मिक प्रक्रिया का मतलब है कि आप खुद के साथ पूरी तरह से ईमानदार हैं। इससे फर्क नहीं पड़ता कि किसने क्या कहा-चाहे वो कृष्ण हों, जीसस हों, गौतम बुद्ध हों, या भगवान या उनके पैगम्बर।

सू-दोकू नवताल -2014

	9	7		2		6		4
		3			7	9	1	
8	1		9	6				
	6	9		7	1	5		
4			5	3	9			7
		5	6	4		2	3	
				8	2		5	6
	5	4	3			8		
2		6		1		7	9	

सू-दोकू -2013 का हल

2	6	4	5	1	7	3	8	9
7	1	5	9	3	8	6	4	2
9	8	3	4	6	2	7	1	5
5	7	8	6	2	1	9	3	4
3	2	1	7	9	4	8	5	6
6	4	9	8	5	3	2	7	1
8	9	6	3	4	5	1	2	7
4	3	2	1	7	9	5	6	8
1	5	7	2	8	6	4	9	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2014

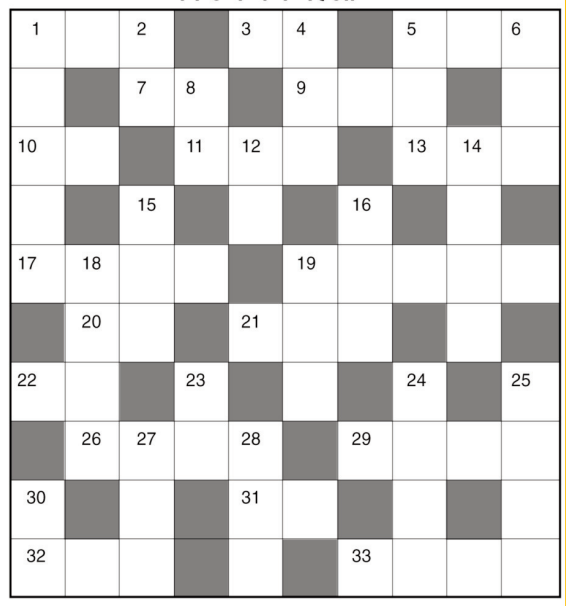

बायें से दायें:-

1. 'पिछवाड़े बुड्ढा खांसता' गीत वाली मनोज कुमार, साधना की फिल्म-3
3. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की अभिनीत फिल्म-2
5. मिथुन चक्रवर्ती, आदित्य पंचोली, पायल मल्होत्रा की फिल्म-3
7. सुपर हिट फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम-2
9. 'बधाई री बधाई तेरी शगनों भरी' गीत वाली फिल्म-3
10. मिथुन चक्रवर्ती, रंभा अभिनीत फिल्म-2
11. फिल्म 'देवता' में संजीव कुमार के साथ नायिका-3
13. फिल्म 'फर्ज' में जीतेंद्र के साथ नायिका-3
17. 'मैं पल दो पल का शायर हूं' गीत वाली फिल्म -2,2
19. जीतेंद्र, राजश्री अभिनीत फिल्म-5
20. 'जिसके सपने हमें रोज आते रहे' गीत वाली फिल्म-2
21. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-3
22. राजेश खन्ना, सुलक्षणा पंडित अभिनीत फिल्म-2
26. भारत भूषण, फरीदा जलाल, शालिनी अभिनीत फिल्म-4
29. 'जो उनकी तमन्ना है बर्बाद हो जा' गीत वाली फिल्म-4
31. फिल्म 'विजयपथ' में अजय देवगन के साथ नायिका-2
32. 'तेरे जैसा यार कहां' गीत वाली फिल्म-3
33. फिल्म 'शूट आउट ऐट लोखंडवाला' में 'जावेद शेख' की भूमिका किसने की है-4
27. 'यूं ही कोई मिल गया था' गीत वाली राजकुमार, मीना कुमारी की फिल्म-3
28. फिल्म 'ये तेरा घर ये मेरा घर' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका-3

ऊपर से नीचे:-

1. फिल्म 'उमराव जान' के संगीत निर्देशक-2,3
2. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका-2
4. 'दिल चला उड़ चला' गीत वाली फिल्म 'संध्या' में जैकी श्रॉफकेसाथ नायिका-3
5. 'जब हम जवां होंगे' गीत वाली सनी देओल, अमृता सिंह की पहली फिल्म-3
6. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'इन बहारों में अकेले ना फिरो' गीत वाली फिल्म-3
12. 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले, किस्मत पे भरोसा है तो दांव लगा ले' गीत वाली देव आनंद, कल्पना कार्तिक, गीता बाली की फिल्म-2
14. फिल्म 'अनारकली' में अनारकली की शीर्षक भूमिका किसने की-2,2
15. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-3
16. 'शाबा ये नखरा लड़की का' गीत वाली अजय देवगन, अक्षय कुमार, करिश्मा कपूर, नगमा की फिल्म-3
18. अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, मीना कुमारी की 'मोहब्बत से देखा खफा हो गए हैं' गीत वाली फिल्म-2,2
19. 'भीनी भीनी खुशबू जागा जागा' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित साहनी, शबाना आजमी की फिल्म-3
23. सुनील दत्त, वहीदा की 'तुम मुझे भूल जी जाओ तो ये हक है तुम को' गीत वाली फिल्म-2
24. अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-4
25. 'दिल ने कर लिया ऐतबार' गीत वाली फिल्म-4
27. फिल्म 'यादें' में ऋतिक रोशन की नायिका-3
28. 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली करण दीवान, स्वर्णलता की एक सुपर हिट फिल्म-3
30. 'मुसाफिर हूं यारो' गीत वाली फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका-2

फिल्म वर्ग पहेली-2013

म	स्ती		बा		फा	गु	न		सा
ड़ं		ते	जा	ब		ड्डी		क्रो	ध
र	वि		र	च	ना		डॉ		ना
	दा	ग		प		जा	न	म	
भा	ई		ध	न	वा	न		म	र्द
भी		क	र्म		सु		दा	ता	
	गै		वी	रू		सौ	दा		दो
आ	र	पा	र			दा		म	स्त
वा		की		चि	त्र	ग		हि	
श	म	जा	ने			र	ह	मा	न

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांच फीसदी महंगा हुआ क्रूड ऑयल

मुंबई (एजेंसी)।

क्रूड ऑयल की कीमत में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। वै श्विक बाजार में क्रूड ऑयल के दाम साल के पहले सप्ताह में पांच फीसदी तक बढ़ चुके हैं। वैसे शुक्रवार को बाजार बंद होने से पहले ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 82 डॉलर से नीचे आ गए हैं। गौरतलब है कि 2021 में क्रूड ऑयल की कीमत में 50 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला था। आईओसीएल के अनुसार देश के चारों महानगरों में पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ले ली में पेट्रोल के दाम 95.41 रुपए प्रतिलीटर पर हैं। वहीं दूसरी ओर कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः104.67 रुपए, 109.98 रुपए और 101.40 रुपए प्रतिलीटर हैं। वहीं नई दिल्ली में डीजल के दाम 86.67 रुपए, कोलकाता में 89.79 रुपए, मुंबई में 94.14 रुपए और चेन्नई में 91.43 रुपए प्रति लीटर हैं।

डीजीजीआई के पास कर चोरी मामलों की कार्रवाई का रिकॉर्ड नहीं!

नागपुर (एजेंसी)।

जीएसटी आसूचना महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने वित्त वर्ष 2020-21 तक छह साल में कर अपवंचना के 9,359 करोड़ रुपए के 158 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। हालांकि, महानिदेशालय के पास इस बात की जानकारी नहीं है कि इन मामलों में क्या हुआ है, क्योंकि वह इसका रिकॉर्ड नहीं रखता है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी से यह खुलासा हुआ है। शहर के आरटीआई कार्यकर्ता अभय कोलारकर ने डीजीजीआई से इस बारे में एकीकृत रूप से जानकारी मांगी थी। डीजीजीआई द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार वित्त वर्ष 2014-15 से 2020-21 तक 9,358 करोड़ रुपए के 158 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। हालांकि आरटीआई को लेकर जो जवाब दिया गया है उसमें न तो यह बताया गया है कि कितने कारण बताओ नोटिस (एससीएन) का अधिकारियों ने निपटान किया, कितनी राशि वसूली गई और कितनी राशि के मामले अभी लंबित हैं। कोलारकर ने बताया कि जवाब में स्पष्ट कहा गया है कि इस तरह का कोई आंकड़ा नहीं है। जुलाई, 2017 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था लागू होने से पहले डीजीजीआई केंद्रीय उत्पाद आसूचना महानिदेशालय (डीजीसीईआई) के रूप में काम करता था।

डीएलएफ की लग्जरी आवासीय परियोजना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रियल्टी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ ने नई दिल्ली में एक लग्जरी आवासीय परियोजना शुरू करने की घोषणा की। डीएलएफ वन मिडटाउन नाम की इस लग्जरी परियोजना में 913 इकाइयों की पेशकश करेगी और इसमें आवासीय इकाई की शुरुआती कीमत तीन करोड़ रुपए होगी। डीएलएफ इसका विकास सिंगापुर सरकारी संपत्ति कोष जीआईसी के साथ मिलकर कर रही है। कंपनी ने कहा कि वह दिल्ली के मोती नगर इलाके में शिवाजी मार्ग पर यह लग्जरी आवासीय परियोजना लेकर आ रही है। डीएलएफ होम डेवलपर्स के समूह कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य व्यवसाय अधिकारी आकाश ओहरी का कहना है कि इस परियोजना में आधिकारिक रूप से बिक्री भी शुरू कर दी गई है। इसके पहले डीएलएफ मोती नगर इलाके में तीन आवासीय परियोजनाएं पूरी कर चुकी है।

ओमीक्रॉन का खतरा: मुद्रास्फीति, संक्रमण के संकट से रुपया कमजोर होने की आशंका

मुंबई (एजेंसी):

बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और कोविड-19 के बढ़ते मामलों से आगामी सप्ताह में भारतीय रुपए के कमजोर होने की संभावना है। इसके अलावा, लगातार उच्च ऊर्जा लागत रुपए के बुल्स को वश में कर सकती है। हालांकि, एफआईआई के प्रवाह के फिर से शुरू होने से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्य में किसी भी बड़ी गिरावट को रोक दिया जाएगा। एडलवाइस सिक्योरिटीज के हेड, फॉरेक्स एंड रेट्स, सजल गुप्ता ने कहा, बढ़ते व्यापार घाटे के साथ-साथ यूएस फेड के टेंपर उपायों और बढ़ती पैदावार पर चिंताएं आने वाले साल में रुपये पर दबाव डाल सकती हैं। कच्चा तेल भी खराब खेल सकता है अगर यह 85 के स्तर की ओर बढ़ता है। ओमीक्रॉन की चिंता भी भावना को कम कर सकती है। पिछले हफ्ते रुपया 74.31 डॉलर प्रति डॉलर के दायरे में बंद हुआ था। उस अवधि में, डॉलर इंडेक्स में उछाल और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद रिलायंस के अमेरिकी डॉलर बॉन्ड जारी करने से रुपये में 74.30 रुपये की गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिटेल रिसर्च के उप प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा, अगले हफ्ते, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, उच्च कोविड-19 संक्रमणों की आशंका, उच्च ऊर्जा लागत और आरबीआई के हस्तक्षेप से रुपए के बुल्स की पार्टी खराब हो सकती है। उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि रुपया अगले सप्ताह कमजोर पूर्वाग्रह के साथ 74.20 से 74.90 के बीच कारोबार करेगा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के फॉरेक्स एंड बुलियन एनालिस्ट गौरांग सोमैया के अनुसार, अगले हफ्ते, घरेलू मोर्चे पर, मार्केट पार्टिसिपेंट्स महंगाई और औद्योगिक उत्पादन संख्या पर नजर रखेंगे। मुद्रास्फीति में तेजी से दरों में बढ़ोतरी की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। आरबीआई लेकिन साथ ही एक निराशाजनक औद्योगिक उत्पादन दर वृद्धि की उम्मीद को कम कर सकता है।

श्रीलंका ने चीनी कंपनी को 69 लाख डॉलर का भुगतान किया

कोलंबो । श्रीलंका के एक शीर्ष सरकारी बैंक ने चीनी कंपनी के साथ उसके उर्वरक खेप पर लंबे समय से चल रहे विवाद को निपटाने के लिए 69 लाख डॉलर का भुगतान कर दिया। श्रीलंका के इसे दूषित पाए जाने के बाद चीन से आयातित खेप को लेने से इनकार कर दिया था। कोलंबो वाणिज्यिक उच्च न्यायालय द्वारा आयातित उर्वरक के लिए किंगदाओ सीविन बायोटेक को भुगतान पर रोक के आदेश को खारिज करने के बाद यह घोषणा हुई है। चीनी कंपनी और श्रीलंका सरकार के बीच इस मुद्दे पर समझौते के बाद पूर्व आदेश को खारिज किया गया। सरकारी स्वामित्व वाली सीलोन फर्टिलाइजर कंपनी ने जैविक उर्वरक के आयात पर चीनी कंपनी को भुगतान को रोकने के लिए अदालत से आदेश हासिल कर लिया था। उर्वरक को जांच में दूषित पाया गया था। इस आदेश के तहत पीपुल्स बैंक ऑफ श्रीलंका ने चीनी कंपनी को कर्ज सुविधा के तहत भुगतान करने से मना कर दिया था। समझौते की शर्तों पर सहमति बनने के बाद ही यह फैसला आया। अधिकारियों ने कहा कि श्रीलंका ने चीनी कंपनी की तरफ से गहन जन संपर्क के बाद भुगतान करने पर सहमति जताते हुए आयात को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

ब्रिटेन में एक घंटे की मजदूरी 1000 से भी ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना काल में ब्रिटेन में कर्मचो रियोंय की संख्या में भारी गिरावट आ गई है, जिससे वहां कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसके मद्देनजर देश की दूसरी सबसे बड़ी सुपरमार्केट चेन सेंसबरी ग्रॉसरी डिलिवरी ड्राइवर्स की प्रति घंटा मजदूरी 12 फीसदी बढ़ाने का फैसला किया है। साथ ही सबसे कम पैसा पाने वाले दुकानदार में काम कर रहे कर्मचो रियों की मजदूरी भी पांच फीसदी बढ़ाई जा रही है। सेंसबरी के सुपरमार्केट्स में शॉप वर्कर्स की बेसिक पे अभी 9.50 पाउंड है जो 6 मार्च से बढ़कर 10 पाउंड यानी उन्हें हर घंटे काम के लिए 1000 रुपए मिलेंगे। कंपनी का कहना है कि मजदूरी बढ़ाने से उस पर करीब 10 करोड़ पाउंड का बोझ पड़ेगा। ग्रॉसरी डिलिवरी ड्राइवर्स की हर घंटे की मजदूरी 11.50 पाउंड हो जाएगी। ब्रिटेन में अप्रैल से न्यूनतम मजदूरी 8.91 पाउंड से बढ़कर 9.50 पाउंड हो जाएगी। यह 25 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए है। कुछ प्रमुख कंपनियां क्वालिफाइड लॉरी ड्राइवर्स को 1000 पाउंड और उससे ज्यादा का साइनिंग-ऑन बोनस दे रही है। लेकिन कोरोनावायरस के ओमीक्रोन वैरिएंट के पैर पसारने से देश में मजदूरों का टोटा पड़ गया है। लाखों लोग कोरोना के प्रकोप से बचने के लिए छुट्टी पर चले गए हैं। सेंसबरी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि हम अपने साथियों के लिए यह अहम निवेश कर रहे हैं। हम उन्हें दिखाना चाहते हैं कि हमारे लिए उनकी क्या अहमियत है। यह इस बात का भी सबूत है कि हमारी योजना अच्छे ढंग से आगे बढ़ रही है। ब्रिटेन के सुपरमार्केट सेक्टर में सेंसबरी की 16 फीसदी हिस्सेदारी है। इसकी स्थापना 1869 में जॉन जेम्स सेंसबरी ने की थी।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में रही तेजी

- सेंसेक्स 142.81 अंक बढ़कर 59,744.65 पर बंद
- निफ्टी 66.80 अंक बढ़कर 17,812.70 पर बंद

मुंबई (एजेंसी)।

नए साल के पहले दिन आईटी और ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में लिवाली के चलते घरेलू शेयर बाजार में तेजी रही और सप्ताह के ओ खिर में शुक्रवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए। पिछले पांच कारोबारी दिनों में से चार दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को शेयर बाजार तेजी के साथ और एक दिन गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले दिन सोमवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 339.44 अंक उछलकर 58,593.26 पर खुला और 929.40 अंक मजबूत होकर 59,183.22 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 108.90 अंक की तेजी के साथ 17,462.95 पर खुला और 271.65 अंक की बढ़त के साथ 17,625.70 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 277.85 अंक उछलकर 59,461.07 पर खुला और 672.71 अंक की तेजी के साथ 59,855.93 पर बंद हुआ। निफ्टी 80.40 अंक की बढ़त लेकर 17,706.10 पर खुला और 179.55 की तेजी के साथ 17,805.25 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 147.95 अंक की गिरावट के साथ 59,933.31 पर खुला और 367.22 अंक मजबूत होकर 60,223.15 पर बंद हुआ।

निफ्टी 30.40 अंक की गिरावट के साथ 17,774.85 पर खुला और 120 अंक की तेजी के साथ 17,925.25 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 489.89 अंक की गिरावट के साथ 59,733.26 पर खुला और 621.31 अंक की गिरावट के साथ 59,601.84 पर बंद हुआ। निफ्टी 142.95 अंक की गिरावट के साथ 17,782.30 पर खुला और 179.35 अंक टूटकर 17,745.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 335.30 अंक की तेजी के साथ 59,937.14 पर खुला और 142.81 अंक बढ़कर 59,744.65 पर बंद हुआ। निफ्टी 101.80 अंक बढ़कर 17,847.70 पर खुला और 66.80 अंक बढ़कर 17,812.70 पर बंद हुआ।

भारतीय बाजारों में जल्द लॉन्च होंगी बेहतरीन इलेक्ट्रिक बाइक्स, सिंगल चार्ज पर चलेंगी 250 किमी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर का क्रेज बढ़ता जा रहा है, क्योंकि पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से हर कोई परेशान है। अगर आप लेटेस्ट फीचर वाली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, आपको थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। इस साल इंडियन मार्केट में एक से बढ़कर एक इलेक्ट्रिक बाइक्स लॉन्च होने वाली हैं। कोमाकी रेंजर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को जनवरी 2022 में लॉन्च होने की उम्मीद है। इस रेंजर बाइक में 5,000 वॉट की पॉवर दी गई है, जिससे ये ऑफ-रोड़ पर भी तेजी से चलने में सक्षम रहेगी। इसमें 4 किलोवॉट बैटरी पैक दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह देश की सबसे अधिक बैटरी पैक देने वाली बाइक है। कंपनी के अनुसार यह इलेक्ट्रिक रेंजर सिंगल चार्ज पर 250 किलोमीटर तक की रेंज देगी। कोकीनावा ओकी100 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को इस साल मार्च में लॉन्च होने की संभावना है। इसमें रिमूवल लिथियम-आयन और फास्ट चार्जर मिलता है। वहीं इसकी टॉप स्पीड 100-120 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। एक बार चार्ज करने पर यह 200 किलोमीटर चलेगी। एम्फ्लुक्स वन एक अन्य इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक है, जिसे 2018 के ऑटो एक्सपो में पेश किया गया था।कोरोना महामारी के चलते इसके लॉन्च में देरी हो गई। यह इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक 2022 में किसी भी समय लॉन्च हो सकती है। इसकी टॉप स्पीड 200 किमी प्रति घंटे हो सकती है। यह एक बार चार्ज करने पर 160 किमी की दूरी तय करेगी। इसी तरह हीरो इलेक्ट्रिक एई-47 इस साल लॉन्च होने के लिए बिल्कुल तैयार है। यह हीरो की पहली इलेक्ट्रिक बाइक होगी। इसमें लाइट पोर्टेबल लिथियम आयन 48वी/315 केडब्ल्यूएच बैटरी से पैक है। वहीं इसमें इस बाइक को 4,000 वॉट की पॉवर दी गई है। इस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की अधिकतम गति 85 किमी प्रति घंटे से अधिक हो सकती है। इस ई बाइक में 2 मोड मिलते हैं। पावर मोड में, सिंगल चार्ज पर रेंज 85 किमी होने का दावा किया जाता है, जबकि इको मोड में, सिंगल चार्ज पर 160 किमी की रेंज मिल सकती है।

मारुति सुजुकी सिलैरियो कार को सीएनजी के साथ भी करेगी लॉन्च

मिलेगा 30 केएमकेजी का ताबड़तोड़ माइलेज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मारुति सुजुकी कंपनी जनवरी के अंत तक हैचबैक मारुति सुजुकी सिलैरियो कार को सीएनजी के साथ भी लॉन्च करेगी। इस कार को कंपनी 1.0 लीटर, 3 सिलिंडर ड्यूलजेट पेट्रोल इंजन और फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ लॉन्च करेगी। ट्रांसमिशन ड्यूटी के लिए इस कार में 5 स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स दिया जाएगा। इस कार के सीएनजी वर्जन में माइलेज और बेहतर मिलेगा। माना जा रहा है कि इस कार में 30केएमकेजी का माइलेज मिलेगा। यानी सीएनजी मॉडल और ज्यादा फ्यूल एफिशंट होने वाला है। वर्तमान में यह कार देश की सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली कार है। यह कार 26.8केएमपीएल का माइलेज देती है। नई मारुति सिलैरियो कंपनी के नेक्स्ट जेनेरेशन के10सी पेट्रोल इंजन के साथ आने वाली पहली कार है। इस इंजन का इस्तेमाल भविष्य में मारुति सुजुकी के अन्य कई मॉडल्स में भी किया जाएगा। यह इंजन 65बीएचपी पावर और 89 एन टॉर्क जेनेरेट करता है। कार 5 स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स और एएमटी के साथ लॉन्च की गई है। यह कार 5वी हीयरटेक टेक्नॉलजी से लैस है। बता दें कि मारुति सुजुकी ने पिछले साल नवंबर में अपनी है बैक मारुति सुजुकी सिलैरियो नवंबर 2021 में लॉन्च की थी। इस कार को कंपनी ने देश की सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली कार के तौर पर लॉन्च किया था।

एनडीएमसी के बजट में 100 ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने वर्ष 2022-23 के लिए पेश किए गए बजट में डीजल और पेट्रोल से चलने वाले यात्री वाहनों की खरीद पर रोक लगाने और अपने क्षेत्र में 100 से अधिक ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। इसके अलावा एनडीएमसी अपनी सभी सेवाओं के लिए सामान्य भुगतान पोर्टल और स्मार्ट बस शेल्टर परियोजनाओं पर भी काम करेगा। नगर निकाय के प्रमुख धर्मेंद्र ने अपने बजट भाषण में कहा कि एनडीएमसी प्रदूषण को कम करने के उपायों में अग्रणी है और हमने पेट्रोल या डीजल से चलने वाले यात्री वाहनों की खरीद को रोकने का संकल्प लिया है। भविष्य में बिजली से चलने वाले वाहनों को खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी ने पहले ही अपने क्षेत्र में साठ से अधिक ई-चार्जिंग स्टेशन शुरू कर दिए हैं और इस वर्ष 100 से अधिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना है। एनडीएमसी ने सौ फीसदी नवीकरणीय ऊर्जा में अंतरण की अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि उसने तापीय उर्जा उत्पादन स्टेशनों के साथ अपने बिजली खरीद समझौते की समाप्ति के बाद नवीनीकृत नहीं किया है। निकाय ने कहा कि वह केवल अक्षय ऊर्जा प्रदाताओं के साथ ही नए खरीद समझौते कर रहा है, जिसमें जल और सौर ऊर्जा शामिल हैं।

पिछले साल एलआईसी की आय में आई गिरावट, निजी कंपनियों को मुनाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जीवन बीमा कंपनियों की दिसंबर 2021 में नई पॉलिसी प्रीमियम आय एक साल पहले के लगभग समान स्तर पर रहते हुए 24,466.46 करोड़ रुपए रही है। बीमा नियामक इरडा ने दिसंबर के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि इस महीने में नई पॉलिसी के प्रीमियम के रूप में 24 जीवन बीमा कंपनियों की संग्रहीत रकम स्थिर रही। दिसंबर 2020 में 24,383.42 करोड़ रुपए का प्रीमियम जमा हुआ था। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के मुताबिक दिसंबर में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी का नए कारोबार का प्रीमियम संग्रह 20.30 फीसदी गिरकर 11,434.13 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी मार्च में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में जुटी हुई है। इसके विपरीत देश में सक्रिय बाकी 23 जीवन बीमा कंपनियों का नई पॉलिसी वाली प्रीमियम आय दिसंबर 2021 में 29.83 फीसदी बढ़कर 13,032.33 करोड़ रुपए पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह आय 10,037.72 करोड़ रुपए रही थी। निजी बीमा कंपनियों में एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ की नई प्रीमियम आय 55.67 फीसदी बढ़कर 2,973.74 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एसबीआई लाइफ की नई प्रीमियम आय 26.72 फीसदी बढ़कर 2,943.09 करोड़ रुपए हो गई। हालांकि आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ की नई प्रीमियम आय दिसंबर 2020 की तुलना में 6.02 फीसदी गिरकर 1,380.93 करोड़ रुपए पर आ गई। इसी तरह कोटक महिंद्रा लाइफ, ऐगॉन लाइफ, फ्यूचर जनरली की नई प्रीमियम आय भी घटी है।

अप्रैल-दिसंबर 2021 में कुल मिलाकर सभी जीवन बीमा कंपनियों का पहले साल का प्रीमियम 7.43 फीसदी बढ़कर 2,05,231.86 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस दौरान एलआईसी की नई प्रीमियम आय 3.07 फीसदी गिरकर 1,26,015.01 करोड़ रुपए रही।

पिछले वर्ष 2220 सौदे हुए, जुटाए 115 अरब डॉलर

मुंबई (एजेंसी)।

पिछला वर्ष 2021 कारोबारी सौदों के लिए बेहतर सो बित हुआ और इस दौरान कुल 115 अरब अमेरिकी डॉलर के 2,224 से अधिक सौदे हुए। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह साल सौदों के कुल मूल्य और कुल संख्या, दोनों लिहाज से नंबर वन पर रहा। इससे पिछले साल 2020 में कुल 37 अरब डॉलर के 867 सौदे हुए थे। ग्रांट थॉर्नटन के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) के 499 सौदे हुए। इनकी कुल राशि 42.9 अरब डॉलर थी। इसके अलावा 48.2 अरब डॉलर के 1,624 निजी इक्विटी सौदे और 23.9 अरब अमेरिकी डॉलर के 101 आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) और क्यूआईपी (पात्र संस्थागत नियोजन) थे। सिर्फ आईपीओ से रिकॉर्ड 17.7 अरब डॉलर जुटाए गए। बीते साल बड़े सौदों के लिहाज से भी नया रिकॉर्ड बना और 14 सौदे एक-एक अरब डॉलर से अधिक के थे। जबकि 15 सौदे 50 करोड़ डॉलर से 99.9 करोड़ डॉलर के बीच थे। इसके अलावा 135 सौदे 10 करोड़ डॉलर से 49.9 करोड़ डॉलर के बीच थे। रिपोर्ट में कहा गया कि बड़े सौदे संख्या के लिहाज से सिर्फ आठ प्रतिशत थे, लेकिन इनसे 80 प्रतिशत राशि प्राप्त हुई। कुल सौदों में 76 प्रतिशत घरेलू थे और शेष सौदे सीमा पार हुए।

धोनी से उपहार मिलने के बाद गदगद हुए पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हारिस रउफ

नई दिल्ली । भारतीय पूर्व कप्तान एमएस धोनी से खूबसूरत उपहार मिलने के बाद पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हारिस रउफ की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा था। रऊफ ने खुलासा किया कि उन्हें धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की नंबर 7 जर्सी उपहार में दी थी।उन्होंने धोनी और सीएसके के टीम मैनेजर को भी तोहफे के लिए धन्यवाद किया। रऊफ ने धोनी से मिले उपहार में जर्सी की तस्वीर शेयर कर ट्वीट किया कि दिग्गज और कैप्टन कूल एमएस धोनी ने मुझे इस खूबसूरत उपहार अपनी शर्ट से सम्मानित किया है। '7' अभी भी अपनी दयालुता और सद्भावना के माध्यम से दिल जीत रहे हैं। रऊफ को धोनी के खिलाफ खेलने का कभी मौका नहीं मिला। वह पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में थे जब पिछले साल दोनों टीमों के बीच टी20 विश्व कप सुपर 12 चरण में मुकाबला हुआ था। विशेष रूप से अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज भारत के बैकरूम स्टाफ का हिस्सा थे। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए मैच में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया था। गौर हो कि धोनी ने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं और आगामी आईपीएल 2022 में एक्शन में नजर आएंगे। धोनी इस साल की मेगा नीलामी से पहले सीएसके की दूसरी पसंद थे, उन्हें 12 करोड़ रुपए का वेतन मिलेगा।

मयंक, स्टार्क और एजाज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामांकित

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ (दिसंबर 2021) के लिए खिलाड़ियों की घोषणा की गई हैं। इसमें भारत के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल को दिसंबर महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामांकित किया है।

नियमित सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा, शुभमन गिल और केएल राहुल के साथ पिछले महीने किसी न किसी खेल में लापता होने के कारण, मयंक अग्रवाल ने न्यूजीलैंड और द.अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में इस मौके का फायदा उठाया। दो मैचों में उन्होंने 69.00 की औसत से 276 रन बनाए जिसमें 2 अर्द्धशतक और एक शतक शामिल है। एजाज का नाम दिसंबर में क्रिकेट के इतिहास में अमर हो गया, जब उन्होंने भारत के खिलाफ एक पारी में सभी 10 विकेट चटकाए तथा जिम लेकर और अनिल कुंबले के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले टेस्ट में तीसरे खिलाड़ी बन गए। बाएं हाथ के स्पिनर ने महीने में सिर्फ एक टेस्ट खेला, जहां उन्होंने 16.07 की औसत से 14 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में सभी 10 विकेट चटकाए लेकिन कीवी बल्लेबाजों ने उन्हें निराश किया जो 62 रन पर ढेर हो गए। मिशेल स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया में दो गेम शेष रहकर एशेज को बरकरार रखते हुए बल्ले और गेंद दोनों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले महीने तीन मैचों में उन्होंने 19.64 की औसत से 14 विकेट लिए और बल्ले से अधिक उपयोगी थे उन्होंने तीन मैचों में 58.50 की औसत से 117 रन बनाए। उन्होंने पहले टेस्ट की पहली गेंद पर रोरी बर्न्स को आउट करके पूरी सीरीज के लिए टोन सेट किया। बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 35 रन की पारी के साथ ट्रैविस हेड का साथ दिया और आठवें विकेट के लिए 85 महत्वपूर्ण रन जोड़े। स्टार्क दूसरे टेस्ट में बल्ले और गेंद से शानदार थे उन्होंने छह विकेट लिए और एडिलेड में 58 रन बनाए। इसमें पहली पारी में शानदार चार विकेट शामिल थे जिसने इंग्लैंड को 236 रनों पर रोकने में मदद की जिससे ऑस्ट्रेलिया को 237 रनों की भारी बढ़त मिली। बॉक्सिंग डे टेस्ट में स्टार्क ने पहली पारी में दो महत्वपूर्ण विकेट लिए जिसमें इंग्लैंड के कप्तान जो रूट भी शामिल थे। नाबाद 24 रन की उनकी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को 82 रन की बढ़त हासिल करने में मदद की जो काफी साबित हुई और इंग्लैंड 68 रन पर ढेर हो गया। उन्होंने दूसरी पारी में तीन विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया ने पारी से जीत हासिल की।

कोहली इंस्टा पोस्ट के 680,000 डॉलर चार्ज करते, कोहली के बाद प्रियंका चोपड़ा दूसरी भारतीय

नई दिल्ली ।

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली की लोकप्रियता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वह सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट डालने के लाखों डॉलर (करोड़ों रुपए) चार्ज करते हैं।सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलो करने वालों में शामिल कोहली इंस्टा पोस्ट के 680,000 डॉलर (करीब 5,06,37,934 रुपए) लेते हैं। हालांकि वह अभी भी मामले में 19वें स्थान पर हैं।लिस्ट में पहले स्थान पर स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं, जो एक इंस्टा पोस्ट के 1,604,000 डॉलर (11,94,45,950 रुपए) कमाते हैं। कोहली के अलावा इंस्टा पर पोस्ट के सबसे ज्यादा पैसे चार्ज करने वालों की शीर्ष पचास की सूची में केवल एक भारतीय है।अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास 27वें स्थान पर हैं और प्रति इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए 403,000 डॉलर लेती हैं। फोर्ब्स इंडिया के मुताबिक इन दोनों सेलेब्रिटीज ने सोशल मीडिया पर प्रमोशनल पोस्ट कर अच्छी खासी कमाई होती है। भारतीय टेस्ट कप्तान देश के लिए जितने सम्मान लाए हैं, उसके कारण वह मैदान पर और बाहर सबसे अधिक मांग वाले व्यक्तित्वों में से एक हैं। 2008 में अपने पदार्पण के बाद से कोहली ने चेस मास्टर, रन मशीन सहित भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान और आधुनिक समय के दिग्गज का टैग अर्जित किया है। उन्होंने कई ब्रांडों का विज्ञापन किया है, और कई विज्ञापनों में दिखाई दिए हैं।कोहली 2021 में याहू की सूची में सबसे अधिक खोजी जाने वाली खेल हस्तियों में से एक रहे हैं। वह सितंबर 2021 में 150 मिलियन इंस्टाग्राम फॉलोअर्स वाले पहले भारतीय सेलिब्रिटी भी बने।फिलहाल उनके इंस्टा पर 177 मिलियन फॉलोअर्स हैं। कोहली फिलहाल तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका में हैं। पहला टेस्ट जीतते के बाद कोहली फिटनेस कारणों से दूसरे टेस्ट में नहीं उतरे और उनकी जगह केएल राहुल ने कप्तानी की जिसमें भारत को हार का सामना करना पड़ा। फिलहाल सीरीज 1-1 से बराबर चल रही है और अंतिम और निर्णायक मुकाबला केप टाउन में खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टेस्ट कप्तान कोहली के फिर से टीम से जुड़ने की उम्मीद है।

इटली वेरगानी कप इंटरनेशनल शतरंज में ईरान के तबातबाई ने बनाई एकल बढ़त

काटोलिका (एजेंसी)।

इटली वेरगानी कप अंतरराष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा के छठे दौर में सबसे आगे चल रहे उक्रेन के ग्रांड मास्टर बेर्नदिस्कय वितालय को प्रतियोगिता में पहली हार चखाते हुए ईरान के ग्रांड मास्टर अमीन ताबतबाई ने अब एकल बढ़त हासिल कर ली है जबकि वितालय अब संयुक्त दूसरे स्थान पर सरक गए है। सफ़ेद मोहरो से खेल रहे वितालय को वारे ओपनिंग जैसी कमजोर लाइन चुनना भारी पड़ा और अमीन नें मात्र 33 चालों में उन्हे हार स्वीकार करने पर विवश कर दिया। बोर्ड पर नंबर 2 से लेकर पांच तक क्रमशः स्पेन के डेनियल अलसिना नें उक्रेन के अंटोन कोरोबोव से फ्रांस के मकसीम लागरदे ने ग्रीस के कोटरोनियस वसीलोइस से, इटली के लोरनेज़ों लोदीकी नें डेन्मार्क के जेसपेर थ्याबों से और भारत के भारत सुब्रमण्यम ने हमवतन रोहित ललित बाबू से मुक़ाबला ड्रॉ खेला। कल बड़ा उलटफेर करने वाले भारत के प्राणीत वुपाला को इंग्लैंड के दिग्गज ग्रांड मास्टर नाइजल शॉर्ट से हार का सामना करना पड़ा जबकि भारत के अर्जुन कल्याण नें हमवतन नीलोत्पल दास को पराजित किया। भारत की पूर्व विश्व जूनियर विजेता सौम्या स्वामीनाथन उक्रेन की अनसतासिया रखमनगुलोवा को पराजित किया। छह राउंड के बाद भारत के ललित, अर्जुन और भारत 4.5 अंक पर तो प्राणीत और सौम्या 4 अंक बनाकर खेल रहे है।

केप टाउन का मैदान सचिन के लिए लक्की, कोहली, पुजारा और अजिंक्य रहाणे मास्टर ब्लास्टर से सीखे

केप टाउन (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच केपटाउन में 3 टेस्ट की सीरीज का आखिरी मैच 11 जनवरी से खेला जाएगा। विराट कोहली की अगुवाई वाली इंडिया के पास टेस्ट में इतिहास बनने का मौका है।भारत 30 साल से अफ्रीका में कोई सीरीज नहीं जीता है।इसके बाद अगर केपटाउन की जंग में कोहली सेना को जीत मिलती है,तब फिर यह दक्षिण अफ्रीका में उसकी पहली टेस्ट सीरीज जीत होगी।भारत ने सेंचुरियन में 113 रन से जीत दर्ज कर अच्छी शुरुआत है। हालांकि, दूसरे मुकाबले में मेजबान टीम ने पलटवार करते हुए भारत को 7 विकेट से हराया।केपटाउन में भारत का रिकॉर्ड भले ही बेहद खराब हो लेकिन, सचिन तेंदुलकर का जबरदस्त है। शतक के लिए जूझ रहे कोहली, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को मास्टर ब्लास्टर से सीख लेने की जरूरत है। केप टाउन की पिच भी तेज उछाल और गति के लिए जानी जाती है। सचिन ने मैदान पर एलन डोनाल्ड, शॉन पोलाक, मखाया एंटिनी, लांस क्लूनजर, जैक कैलिस, डेल स्टेन और मोर्ने मोर्कल जैसे तेज गेंदबाजों के सामने शानदार शतक जड़े हैं। टीम और सचिन तेंदुलकर ने केपटाउन में पहला टेस्ट 1993 में खेला था।मुकाबले में सचिन ने पहली पारी में 73 रन बनाए थे। जवागल श्रीनाथ ने पहली पारी में दो और दूसरी पारी में 4 विकेट चटकाया था।यह मुकाबला ड्रॉ रहा। दूसरी बार सचिन की कप्तानी में ही भारत ने दक्षिण अफ्रीका का दूसरा दौरा किया था। सीरीज का दूसरा टेस्ट केपटाउन में खेला गया, जहां सचिन ने पहली पारी में 169 और दूसरी पारी में नौ रन बनाए। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजों के बेहद खराब प्रदर्शन के चलते यह टेस्ट टीम इंडिया 282 रनों से हार गई।इस मैदान पर तीसरी बार भारतीय टीम साल 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ी। वसीफ जाफर (116), दिनेश कार्तिक (63), सचिन तेंदुलकर (64) और सौरव गांगुली (66) की पारियों की बदौलत ने पहली पारी में 414 रन बनाया। हालांकि, भारत की दूसरी पारी सिर्फ 169 रन पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका ने लक्ष्य का पीछा करते हुए यह मुकाबला पांच विकेट से जीता।सचिन तेंदुलकर ने अपना आखिरी टेस्ट मैच महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में इस मैदान पर साल 2011 में खेला।तेंदुलकर की 146 रनों की पारी की बदौलत टीम इंडिया यह टेस्ट ड्रॉ कराने में सफल रही। सचिन ने इस मैदान पर 4 टेस्ट मैचों में दो शतक और इतने ही अर्धशतक की बदौलत 489 रन बनाए हैं।

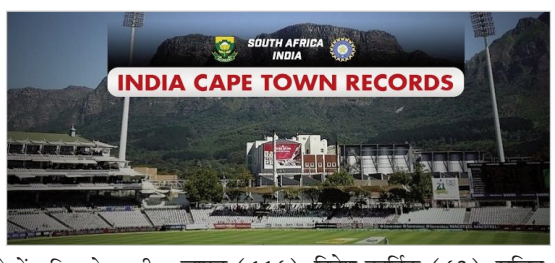

संक्षिप्त समाचार

फुटबॉल एंटोनियो ब्राउन ने एडल्ट मॉडल एवा लुईस से मिल, कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ाई

न्यूयार्क (एजेंसी)।

मॉडल एवा लुईस शनिवार रात अपने दोस्तों के साथ पार्टी का प्लान कर रही थी। तभी उनके फोन पर संदेश आना शुरू हुए। संदेश भेजने वाला कोई और नहीं बल्कि अमेरिकन फुटबॉल के स्टार खिलाड़ी एंटोनियो ब्राउन थे। एंटोनियो ब्राउन, मॉडल एवा को होटल बुला रहे थे। पहले एवा लुईस ने जाने से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में जब देर रात वहां पहुंचीं,तब उसके बाद जो हुआ उससे पूरे खेल जगत में हड़कंप मचा हुआ है। यहां यह बताना जरूरी हो जाता है कि एवा लुईस एडल्ट वेबसाइट ओलनीफैंस की मॉडल हैं। एवा ने कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। साथ ही ब्राउन पर जानबूझकर कोरोना फैलाने का भी आरोप लगाया। एवा लुईस की माने तब उस रात दोनों के बीच होटल में शारीरिक संबंध बने।ब्राउन इन अंतरंग पलों को कैमरे में रिकॉर्ड करना चाहते थे, जो उन्होंने किया भी। ब्राउन की डिमांड सुनकर एवा हैरत में थी। वैसे भी दुनियाभर में कोरोना की तीसरी लहर तेजी से पैर पसार रही है।इसके बाद एंटोनियो ब्राउन जिस नेशनल फुटबॉल लीग के साथ जुड़ें हैं,उसके सभी खिलाड़ियों के लिए बायो-बबल बनाया है। ताकि खिलाड़ी किसी बाहरी व्यक्ति के संपर्क में न आ सके।बावजूद इसके एंटोनियो ब्राउन का एडल्ट मॉडल एवा लुईस से मिलना कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ाने के भीतर ही आता है। इतना ही नहीं दोनों की न्यू ईयर से ठीक एक दिन पहले की चैट भी सामने आई है। एडल्ट मॉडल एवा ने फोटोज के साथ ये सारी चैट्स मीडिया में वायरल करवा दी है। 23 वर्षीय मॉडल की माने तो वह 33 वर्षीय प्लेयर से पहली बार मिल रही थी। हालांकि बीते चार साल से दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक-दूसरे से बातचीत करते आए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता डोडेमैड ने पुष्टि की, जोश हेजलवुड टीम से बाहर

सिडनी (एजेंसी) ।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के पांचवें एशेज टेस्ट के लिए जोश हेजलवुड की वापसी को लेकर अनिश्चित होने के बाद चयनकर्ता टोनी डोडेमैड ने होबार्ट मैच के लिए चोटिल तेज गेंदबाज के पांचवें और और अंतिम एशेज टेस्ट से बाहर होने की पुष्टि की है।हेजलवुड को ब्रिस्बेन के गाबा में शुरुआती टेस्ट में साइड स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था औ तब से उन्होंने सीरीज में भाग नहीं लिया।तेज गेंदबाज ने संकेत दिया था, कि वह वर्तमान में चल रहे एससीजी में चौथे टेस्ट के लिए वापसी करने की कोशिश करने वाले हैं, लेकिन अभी भी वह पूरी तरह से फिट नहीं है,इसकारण चौथे एशेज में नहीं दिखे और अब वह पांचवें टेस्ट में भी दिखाई नहीं देने वाले है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता डोडेमैड ने पुष्टि की कि हेजलवुड को बाहर किया गया है। डोडेमाइड ने कहा कि सिडनी से टीम में एक बदलाव होगा। जोश सिडनी में रहेगा, उसे थोड़ी देर के लिए परेशानी हुई है और एक गेंदबाज के रूप में वे इससे छुटकारा पाने के लिए एक प्रयास कर रहा है।

मैं खुश हूं कि बांग्लादेश ने मेरे बिना न्यूजीलैंड को हराया : शाकिब अल हसन

ढाका (एजेंसी) ।

बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन माउंट पहले टेस्ट में बांग्लादेश को न्यूजीलैंड को हराने से खुश हैं।अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए दो मैचों के दौरे से हटने वाले अल हसन ने कहा कि आठ विकेट की जीत ने साबित कर दिया कि बांग्लादेश जीत के लिए वरिष्ठ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं था। पेसर एबादोट हुसैन ने दूसरी पारी में न्यूजीलैंड को 169 रन पर आउट करने के लिए दूसरी पारी में 46 रन देकर 6 विकेट अपने नाम किए। बांग्लादेश ने 16.5 ओवर में हासिल कर लिया। बल्ले से महमूदुल हसन जॉय, नजमुल हुसैन शान्तो, कप्तान मोमिनुल हक और विकेटकीपर लिटन दास ने अर्धशतक जमाए जिससे बांग्लादेश ने पहली पारी में 458 के स्कोर के साथ 130 रन की बढ़त बना ली। शाकिब ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरी उपस्थिति अनिवार्य रूप से महत्वपूर्ण थी (न्यूजीलैंड में)। मैं वास्तव में खुश हूं कि उन्होंने मेरे बिना ऐसा (जीत) किया। यह 34 वर्षीय इस तथ्य से प्रसन्न था कि बांग्लादेश ने 2022 की शुरुआत न्यूजीलैंड पर पहली टेस्ट जीत के साथ की। उन्होंने कहा कि हमने 2022 की अविश्वसनीय शुरुआत की। मैं बहुत खुश हूं। सभी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इतने दबाव में और इन परिस्थितियों में अच्छा खेलने का श्रेय जाता है। सभी ने कड़ी मेहनत की। बांग्लादेश को 1-0 की बढ़त के साथ रविवार से शुरू हो रहे क्राइस्टचर्च में दूसरे टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद होगी।

स्टार टेनिस खिलाड़ी जोकोविच बोल सकते हैं 11 भाषाएं

-खेल और विज्ञापन से एक साल में कमाते है 1600 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)।

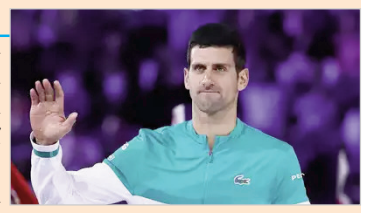

स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अपने खेल कौशल के लिए जाने जाते है पर उनकी कई खूबियां है उनमें उनका 11 भाषाओं का ज्ञान प्रमुख है। जोकोविच इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में उन्हें मजबूरन रिफ्यूजी होटल में रहना पड़ रहा है। दरअसल कोरोना वैक्सीन न लगवाने के कारण ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न पहुंचने के बाद उनका वीजा रद्द कर दिया और उन्हें अपने देश में एंट्री देने से मना कर दिया। जिसके बाद उन्हें एयरपोर्ट से सीधे रिफ्यूजी होटल भिजवाया गया। जोकोविच को लेकर फैंस भी दो भागों में बंटे गए हैं। कोई उनका सपोर्ट कर रहा है तो कोई आलोचना। हालांकि जोकोविच काफी खुशदिल मिजाज के खिलाड़ी हैं। इसी खूबी के चलते उन्हें प्यार से जोकर भी कहते हैं। जोकोविच एक साल में खेल और विज्ञापन से 1600 सौ करोड़ की कमाई कर लेते हैं। उनके फैंस शायद ही ये जानते हो कि जोकोविच 11 भाषाएं बोल सकते हैं। अपनी मातृभाषा सार्बिया के अलावा वो इंग्लिश, अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, इटैलियन, जापानी, पुर्तगाली, रूसी और स्पेनिश भाषा बोल सकते हैं। जोकोविच की जिंदगी में एक समय ऐसा भी आया था, जब वो घर के बेसमेंट में छिपकर रहने को मजबूर हो गए थे। दरअसल उनका बचपन युद्ध में बीता। उनका जन्म सार्बिया के बेल्ग्रेड में हुआ। 1999 में नाटो की सेना ने सर्बिया पर करीब 11 सप्ताह बमबारी की थी। इस दौरान जोकोविच को बेल्ग्रेड में अपने दादा के घर के बेसमेंट में छिपकर रहने को मजबूर होना पड़ा था। युद्ध के बीच उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित होने से बचाने के लिए उनके पिता 12 साल की उम्र में उन्हें जर्मनी ले गए थे। जोकोविच को निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है। उनके वकीलों ने हालांकि अदालत में वीजा के फैसले को चुनौती दी थी।

श्रीलंकाई बल्लेबाज गुनाथिलका ने टेस्ट क्रिकेट से अलविदा का किया ऐलान

कोलंबो । श्रीलंकाई बल्लेबाज गुनाथिलका ने टेस्ट क्रिकेट से अलविदा कहने का बड़ा ऐलान किया है।श्रीलंका के बल्लेबाज दनुष्का गुणथिलाका ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। कथित तौर पर 30 वर्षीय बल्लेबाज ने सफेद गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खेल के सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास ले लिया। गुणथिलाका ने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2018 में खेला था जबकि उन्होंने कुल आठ मैचों में 299 रन बनाए हैं। उन्होंने 61 के सर्वश्रेष्ठ के साथ 2 अर्धशतक लगाए। हालांकि उनका सीमित ओवरों का करियर अधिक फलदायी रहा है। उन्होंने 44 एकदिवसीय मैचों में 36.19 की औसत से 1520 रन बनाए हैं जबकि 30 टी20 इंटरनेशनल्स मैचों में 121.62 के स्ट्राइक रेट से 568 रन बनाए हैं। गुणथिलका के साथ कुसल मेंडिस और निरोशन डिकवेला को श्रीलंका क्रिकेट द्वारा तीनों प्रारूपों में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से एक साल के निलंबन का सामना करना पड़ा। तीनों खिलाड़ियों पर बायो-बबल प्रोटोकॉल के उल्लंघन के लिए प्रतिबंध का सामना करना पड़ा। एसएलसी ने शुक्रवार को तीनों खिलाड़ियों से प्रतिबंध हटा लिया।

जीत के लिए अपनी रणनीति का कड़ाई से करना होगा पालनः डीन एल्गर

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर आशांवित है। भारत के खिलाफ वांडरर्स में जीत दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए सही दिशा में उठाया कदम है और सुधार की गुंजाइश के बावजूद अंतिम टेस्ट से पहले मेजबान टीम अपनी रणनीति में अधिक बदलाव नहीं करेगी। पहले टेस्ट में 113 रन की हार के बाद दक्षिण अफ्रीका ने वापसी करते हुए यहां दूसरे टेस्ट में सात विकेट की जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। एल्गर ने कहा, 'यह सकारात्मक कदम है, इसमें कोई संदेह नहीं और सही दिशा में उठाया गया कदम। उन्होंने कहा, 'हमें अब भी चुनौतीपूर्ण मुकाबलों का सामना करना है और इसमें मंगलवार से शुरू हो रहा अगला टेस्ट भी शामिल है। हमें अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना होगा और महत्वपूर्ण यह होगा कि खिलाड़ी कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। एल्गर ने दूसरी पारी में नाबाद 96 रन की पारी खेलने के अलावा रेसी वान डेर डुसेन और तेंबा बावुमा के साथ उपयोगी साझेदारियां करके अपनी टीम को जीत दिलाई। कप्तान का मानना है कि इस जीत से उनकी अनुभवहीन टीम अंतिम टेस्ट में जोश से भरी होगी। उन्होंने कहा, 'हालांकि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और इससे टीम में शामिल कई खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। एल्गर ने कहा, 'हमारी टीम थोड़ी अनुभवहीन है लेकिन हमें पता है कि सभी चीजें हमारे पक्ष में नहीं होंगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज का निर्णायक और अंतिम टेस्ट केपटाउन में न्यूलैंड्स में मंगलवार से खेला जाएगा और एल्गर का मानना है कि मेजबान टीम में सुधार की गुंजाइश है। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने कहा, 'हमारा ध्यान कुछ विभागों पर है और केपटाउन टेस्ट से पहले हमें उन पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, 'हमें अपनी रणनीति का कड़ाई से पालन करना होगा इसलिए केपटाउन टेस्ट में हम अपनी रणनीति में अधिक बदलाव नहीं करेंगे।

श्रीलंका क्रिकेट ने 3 राष्ट्रीय खिलाड़ियों गुणातिलका, डिकवेला और मेंडिस से पाबंदी हटाई

कोलंबो । श्रीलंका क्रिकेट ने बायो-बबल प्रोटोकॉल के उल्लंघन के दोषी पाए गए 3 राष्ट्रीय खिलाड़ियों दानुष्का गुणातिलका, कुशल मेंडिस और निरोशन डिकवेला पर लगाया गया एक साल की पाबंदी के तत्काल प्रभाव से हटा लिया। श्रीलंका के जून 2021 में इंग्लैंड दौरे के दौरान डरहम में बायो-बबल प्रोटोकॉल के उल्लंघन के दोषी पाए जाने के बाद तीनों को जुलाई में निलंबित किया गया था, लेकिन अब प्रतिबंध हटने के बाद तीनों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में चयन के लिए उपलब्ध हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि ये निर्णय तीनों खिलाड़ियों द्वारा हमसे उन पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के अनुरोध के बाद लिया गया है। खिलाड़ियों के अनुरोध के बाद हमने निलंबन अवधि के दौरान उन्हें परामर्श देने के लिए बोर्ड द्वारा नियुक्त किए गए डॉक्टर से उनकी रिपोर्ट प्राप्त की और उनकी याचिका पर विचार किया, इस शर्त के अधीन कि उनका शेष प्रतिबंध अगले 24 महीनों के लिए निलंबित रहेगा। डॉक्टर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के बाद श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति ने आज हुई बैठक में तीनों खिलाड़ियों के निलंबन को हटाने का निर्णय लिया। दो साल की अवधि के लिए निलंबन हटाया गया है। इस दौरान तीनों खिलाड़ियों के आचरण पर श्रीलंका क्रिकेट द्वारा बारीकी से नजर रखी जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

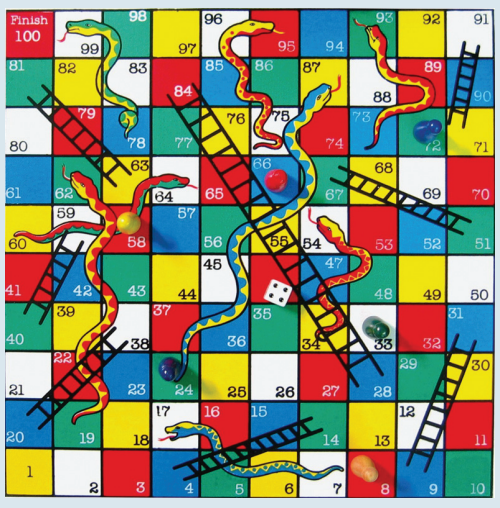

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है। ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं। लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्प्ररर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

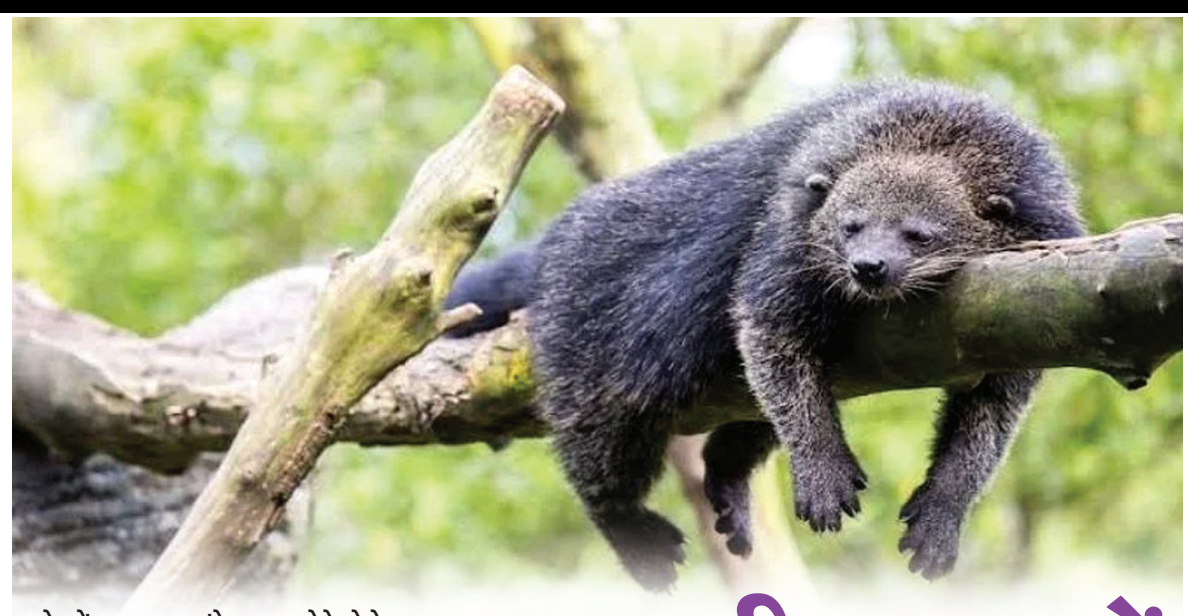

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

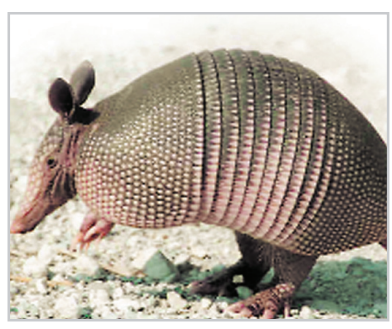

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'

'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।

'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'

आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर' ।फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।

शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।

घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे।

आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कजाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन जारी, आतंकवाद रोधी एजेंसी के पूर्व प्रमुख को किया गिरफ्तार

मॉस्को। कजाकिस्तान में हुए हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर सरकार को गिराने की कोशिश करने के आरोपों के तहत देश की आतंकवाद रोधी एजेंसी के पूर्व प्रमुख को गिरफ्तार किया गया है। राष्ट्रपति ने इन प्रदर्शनों के लिए विदश से समर्थित आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया है। राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने करीम मासिमोव की गिरफ्तारी की शनिवार को घोषणा की। मासिमोव को राष्ट्रपति कासिम-जोमार्त तोकायेव ने इस सप्ताह राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख के पद से हटा दिया था। प्राधिकारियों ने बताया कि इस सप्ताह असंतोष के खिलाफ सुरक्षा अधिकारियों की कार्रवाई में 26 प्रदर्शकारियों की मौत हो गई और 18 कानून प्रवर्तन अधिकारियों की भी जान गई। गृह मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि 4,400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कजाकिस्तान के 1991 में सोवियत संघ से आजाद होने के बाद से इस मध्य एशियाई देश में हुआ यह सर्वाधिक भीषण प्रदर्शन हैं। वाहन ईंधन की एक विशेष किस्म की कीमतों के लगभग दोगुना होने के विरोध में शुरू हुआ यह प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया।

फर्जी वीडियो के बाद अब चीनी सेना की नई चाल, 10 टॉप यूजर्स को गलवान घाटी के पत्थर गिफ्ट देगा

बीजिंग। लद्दाख में एक बार फिर चीन भारत को उलझाने की कोशिश में लगा हुआ है और प्रौपोगेंडा फैलाने की कोशिश कर रहा है। फर्जी वीडियो जारी करने के बाद अब चीनी सेना अपने नागरिकों को गलवान का पत्थर गिफ्ट करने की योजना बना रही है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के वेस्टर्न थियेटर कमांड ने 1 फरवरी से लोगों को गलवान घाटी के पत्थरों को गिफ्ट देने का ऐलान किया है। चीनी सेना की वेस्टर्न थियेटर कमांड ने अपने एक सोशल प्लेयफॉर्म विवो पर जारी करते हुए एक बैनर को पब्लिश किया है। इसके साथ ही इसमें कहा गया है कि 1 फरवरी को इस पोस्ट को शेयर करने वाले 10 भाग्यशाली लोगों को उपहार के रूप में गलवान का पत्थर भेजा जाएगा। इस पोस्टर में चीनी सैनिक किसी पहाड़ी इलाके में एक नदी के किनारे गश्त लगाते हुए नजर आ रहे हैं।

एक इंच भी नहीं देंगे

चीन के वेस्टर्न थिएटर कमांड ने सोशल अकाउंट से शेयर की गई पोस्ट में चीनी भाषा में लिखा था 'शानदार परिदृश्य, एक इंच नहीं छोड़ना है।' गलवान घाटी में 15 जून की रात को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच संघर्ष के बाद चीनी सरकार का भारत को उकसाने वाला यह नया प्रयास है। 15 जून की रात को हुए संघर्ष में भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे जबकि चार चीनी सैनिक भी मारे गए थे।

क्या है इच्छामृत्यु? कोलंबिया के शख्स को चैन की नींद सुलाया गया

कैली (कोलंबिया)। एक दुर्लभ, दर्दनाक और लाइलाज बीमारी से जूझ रहे विक्टर एस्कोबार को शुक्रवार को हमेशा-हमेशा के लिए चैन की नींद सुला दिया गया और वह कोलंबिया के पहले नागरिक बन गए, जिसे मौत के करीब न होने के बावजूद भी इच्छामृत्यु दे दी गयी। एस्कोबार ने इस हफ्ते कहा था, 'मैं बहुत शांति महसूस करता हूं। मेरे साथ जो होने वाला है मुझे उससे डर नहीं लगता है। उन्होंने मुझे बताया कि पहले मुझे धीरे-धीरे बेहोश किया जाएगा तो मेरे पास अलविदा कहने का वक्त है। उसके बाद इच्छामृत्यु का इंजेक्शन दिया जाएगा जो दर्दरहित होगा- एक बहुत शांतिपूर्ण मौत। मुझे भगवान पर भरोसा है कि सब कुछ ऐसा ही होगा।' उनके वकील लुइस गिराल्डो ने शुक्रवार शाम को बताया कि प्रक्रिया पूरी हो गयी है और एस्कोबार की मौत हो चुकी है। देश की एक अदालत ने जुलाई में फैसला देते हुए इच्छामृत्यु के नियमों में बदलाव किया था और उन लोगों के लिए भी इच्छामृत्यु के दरवाजे खोल दिए थे जो एक गंभीर और लाइलाज बीमारी के कारण गहन शारीरिक और मानसिक पीड़ा झेल रहे हैं चाहे उनकी मौत करीब न हो। हालांकि, कैथोलिक चर्च इस फैसले के विरोध में है। कैली में अपने अपार्टमेंट में एस्कोबार में बृहस्पतिवार को कहा, 'एक दरवाजा खुल गया है ताकि मेरे जैसे मरीज को गरिमापूर्ण तरीके से मरने का अवसर मिले।' मॉर्फिन जैसी दवा भी उनके दर्द को कम नहीं कर पा रही थी और उन्होंने बताया कि अन्य दवाएं भी उनके शरीर पर असर नहीं कर पा रही थीं। वह 2008 से बीमार थे जब दो बार आघात आने से उनके आधे शरीर को लकवा मार गया। हालांकि बाद में कुछ अंगों ने काम करना शुरू कर दिया लेकिन उन्हें सांस लेने में रुकावट पैदा करने वाली फेफड़ों की बीमारी, हाइपरटेंशन, मधुमेह, गंभीर गठिया जैसे रोगों ने जकड़ लिया और एक दुर्लभ बीमारी भी हो गयी, जिसमें पसलियां वक्ष की ऊपरी हड्डी से जुड़ जाती है जिससे दर्दनाक सूजन होती है।

श्रीलंका के पास पेट्रोल-डीजल खरीदने के भी पैसे नहीं, भारत से मांगे 50 करोड़ डॉलर

कोलंबो । श्रीलंका भारत से 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ईंधन ऋण सहायता लेने पर विचार कर रहा है। घटनाक्रम से जुड़े लोगों ने कहा कि दोनों देशों के बीच तेल टैंक सौदे पर हस्ताक्षर के बाद ऊर्जा सहयोग बढ़ने के बीच पड़ोसी देश भारत से ऋण सहायता हासिल करने की संभावनाएं तलाश रहा है।

पड़ोसी देश ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की श्रीलंका शाखा (एलआईओसी), सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) और दोनों कंपनियों के संयुक्त उद्यम के साथ त्रिंकोमाली में लगभग 75 तेल टैंकों के पुनर्विकास के लिए एक समझौते पर हस्तक्षार किए। इस बीच, श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री उदय गमनपिला ने शुक्रवार को कहा उनका देश जनवरी के तीसरे सप्ताह में ईंधन संकट का सामना कर सकता है। उन्होंने केंद्रीय बैंक से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की, ताकि आयात के लिए जरूरी विदेशी मुद्रा का इंतजाम किया जा सके।

श्रीलंका की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि अगर जल्द ही कुछ नहीं किया गया, तो वह दिवालिया हो सकता है। विशेषज्ञों की मानें, तो श्रीलंका की इस हालत का चीन न सिर्फ फायदा उठाएगा, बल्कि उसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ भी कर सकता है। यह समझा जा रहा है कि श्रीलंका अपनी आर्थिक हालत को सुधारने में नाकाम रहता है, तो चीन को वहां की नीतियों में दखल करने का मौका मिल जाएगा, जिसका सबसे अधिक नुकसान भारत को उठाना पड़ सकता है। यहां के लोग एक तरफ जहां बढ़ती महंगाई से परेशान है, तो दूसरी ओर चीन से मिली उधारी को लेकर श्रीलंकाई सरकार पर कर्ज का बोझ दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार एक दशक में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुच गया हैं। राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने जब नवंबर 2019 में देश का पदभार संभाला था, उस वक्त विदेशी मुद्रा भंडार 7.5 बिलियन डॉलर था, जो कि 2021 के अंत तक गिरकर 2.5 बिलियन डॉलर ही रह गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी ने विदेशी कर्ज चुकाने के मद्देनजर श्रीलंका की चिंता को और बढ़ा दिया है। श्रीलंका पर सबसे अधिक चीन का 5 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज है। चीन के अतिरिक्त जापान और भारत से भी श्रीलंका ने कर्ज लिया हुआ है।

नेबलस में इजराइल के सैनिकों पर पथराव करता फिलिस्तीन का एक प्रदर्शनकारी।

उत्तरी नाइजीरिया में 3 दिन चली हिंसा में 100 से अधिक लोगों की मौत

माकर्डी । नाइजीरिया के अशांत उत्तरी क्षेत्र में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह जानकारी हमले में बचे लोगों ने दी है। अधिकारी शवों की तलाश में लगे हुए हैं और तीन दिनों तक चली हिंसा के संदिग्धों की भी तलाश शुरू कर दी गई है। जामफारा राज्य के अंका और बुक्कुयुम में बड़ी संख्या में मंगलवार शाम डकैत पहुंचे और उन्होंने गुरुवार तक जमकर गोलीबारी की तथा इस दौरान उन्होंने सैकड़ों घरों को आग के हवाले दिया। यह जानकारी बुक्कुयुम के निवासी अबुबकर अहमद ने दी। अहमद ने बताया उन्होंने 100 से अधिक लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा घटना में करीब नौ समुदाय प्रभावित हुए हैं। अंका के निवासी अलीयु अंका ने भी पुष्टि की कि मरने वालों की संख्या 100 से अधिक है। उन्होंने कहा एक गांव में उन्होंने 20 वर्ष एवं अधिक उम्र के लोगों की हत्या की। कुछ लोगों को दफना दिया गया, कुछ लोगों को जला दिया गया और हम अब भी शवों की तलाश कर रहे हैं। किसी भी समूह ने अभी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। माना जाता है कि यह उन हथियारबंद समूहों का काम हो सकता है जिसने पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र के उत्तर-पश्चिम और मध्य राज्यों में हजारों अपहरण और हत्याएं की हैं। जानकारी के लिए जमफारा आयुक्त इब्राहिम दोसारा ने बताया कि वे हताहतों की संख्या सहित घटना के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा फिलहाल, सुरक्षा बलों के साथ एक सैन्य विमान को तैनात किया गया है और हमलावरों की तलाश जारी है। अफ्रीका का सबसे अधिक आबादी वाला देश के अशांत उत्तरी क्षेत्र में इस तरह के हिंसक हमलों पर काबू पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन नवीनतम घटना हाल के वर्षों में सबसे घातक घटनाओं में से एक है। नाइजीरिया में अधिकारियों ने दावा किया कि वे सशस्त्र समूहों के खिलाफ लड़ाई में सफलता दर्ज कर रहे हैं।

बढ़ते संकट के बीच चीन भागने की तैयारी में इमरान, सत्ता की संजीवनी करना चाहते हैं हासिल

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से ताजा खबर आई है कि इमरान खान जल्द ही चीन की तरफ दौड़ लगा सकते हैं। पाकिस्तान के मौजूदा हालात के चक्रव्यूह में इमरान ऐसे उलझ गए हैं कि उन्हें चीन भागने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आ रहा है। बताया गया है कि उनकी यात्रा का मकसद चीन और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना होगा। दरअसल, पाकिस्तान इस वक्त बेहद तंगहाली में जी रहा है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस कदर दांवाडोल हो चुकी है कि उसके दिवालिया होने के आसार नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान के पास कर्ज इतना है कि उसे चुकाने के लिए इमरान खान को कोई तरकीब नजर नहीं आ रही है।

इमरान की प्रस्तावित चीन यात्रा का एलान चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के लिए प्रधानमंत्री के विशेष सहायक खालिद मंसूर ने किया है।पाकिस्तान में जारी राजनीतिक अस्थिरता और सीपीईसी में कार्यरत चीनी नागरिकों पर हमले से नाराज चीन ने कई परियोजनाओं की फंडिंग को रोक दिया है। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने कहा कि इमरान खान की यात्रा से पाकिस्तान और चीन के रिश्ते और मजबूत होंगे।

60 अरब डॉलर की लागत से बन रहा है सीपीईसी

चीन के संसाधन संपन्न शिनजियांग प्रांत को बलूचिस्तान में पाकिस्तान के रणनीतिक ग्वादर बंदरगाह से जोड़ने वाला 60 बिलियन अमरीकी डालर का सीपीईसी बेल्ट एंड रोड पहल की प्रमुख परियोजना के रूप में माना जाता है, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की वित्त पोषित योजना का उद्देश्य विश्व स्तर पर चीन के प्रभाव को आगे बढ़ाना है। ये चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सबसे पसंदीदा योजना है। सीपीईसी प्राधिकरण ने कहा कि खान ने पाकिस्तान में चीनी उद्यमों के काम से पैदा होने वाले अंतर को देखा है और सीपीईसी के कारण थार कोयला ऊर्जा का सपना साकार हुआ है।

सार्क समिट को लेकर भारत पर बाधा डालने का पाकिस्तान ने लगाया आरोप

- पाक ने कहा, भारत के अदूरदर्शी रवैये से क्षेत्रीय सहयोग का बेशकीमती मंच खो रहा अपना महत्व

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान ने सार्क समिट को लेकर भारत पर बाधा डालने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि भारत के अदूरदर्शी रवैये के कारण क्षेत्रीय सहयोग का यह बेशकीमती मंच तेजी से अपना महत्व खो रहा है। पाकिस्तान ने कुछ दिन पहले ही भारत को वर्चुअली तरीके से आगामी सार्क समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) एक क्षेत्रीय संगठन है, जिसमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल है। यह संगठन साल 2016 से बहुत प्रभावी नहीं है और साल 2014 में काठमांडू में हुए द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद से इसका कोई सम्मेलन नहीं हुआ है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि भारत का दक्षेस प्रक्रिया में बाधा डालना एक स्थापित तथ्य है। वहीं भारत ने गुरुवार को कहा था कि उस स्थिति में कोई ठोस बदलाव नहीं हुआ है, जिससे रुके हुए दक्षेस शिखर सम्मेलन को आयोजित किया जा सके। इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा था कि इस्लामाबाद शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए तैयार है और अगर भारत व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं लेना चाहता है तो वह इसमें ऑनलाइन शामिल हो सकता है।

कोरोना का संक्रमण तेज, भारत में अगले महीने तक चरम पर होगा ओमिक्रोन -ध्वस्त होंगे सारे रिकार्ड

वॉशिंगटन (एजेंसी)

पूरी दुनिया में कोरोना एक बार कहर बरपा रहा है भारत में भी हर रोज कोरोना के मरीजों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। राज्यों द्वारा नए-नए प्रतिबंध भी लगाए जा रहे हैं। इस बीच एक और डराने वाली खबर सामने आई है। एक यूएस-आधारित स्वास्थ्य विशेषज्ञ के अनुसार भारत में अगले महीने तक कोरोना मामलों की संख्या चरम पर पहुंच जाएगी, देश में प्रति दिन पांच लाख मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस बार देश में ओमिक्रोन वैरिएंट की गंभीरता डेल्टा की तुलना में कम होगी। इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के निदेशक और वाशिंगटन विश्वविद्यालय में हेल्थ मेट्रिक्स साइंसेज के अध्यक्ष क्रिस्टोफर मरे ने कहा कि भारत समेत दुनिया भर के देश में ओमिक्रॉन वेव आने वाली है और उनका अनुमान है कि इस बार डेल्टा लहर की तुलना में प्रति दिन अधिक मामले होंगे, लेकिन ओमिक्रोन का असर बहुत कम गंभीर होगा और सारे रिकार्ड भी टूट सकते हैं।

क्रिस्टोफर मरे के अनुसार वर्तमान में उनके पास एक मॉडल हैं जिन्हें वह बाद में जारी करेंगे, उनके अनुसार चरम पर लगभग पांच लाख मामलों के आने की उम्मीद हैं, जो अगले महीने में ही आ सकते हैं। विशेषज्ञ के अनुसार भारत में हाईब्रिड इम्युनिटी है जिसके कारण ओमिक्रोन कम प्रभावी होगा। डॉ मरे ने कहा कि टीकाकरण गंभीर बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु से काफी सुरक्षा प्रदान करेगा, यही वजह है कि भारत में ओमिक्रोन के कई मामले होंगे, लेकिन डेल्टा लहर की तुलना में बहुत कम अस्पताल में भर्ती होंगे। अस्पताल में भर्ती होने की संख्या और विविधता की गंभीरता के बारे में बोलते हुए मरे ने कहा कि 85.2 फीसद संक्रमणों में कोई लक्षण नहीं होगा। लेकिन मामलों की फिर भी काफी संख्या होने की उम्मीद है।

कुदरत का करिश्मा! 28 साल के शख्स ने दिया बच्चे को जन्म! दुनिया ने कहा- यह कैसे संभव है?

नई दिल्ली (एजेंसी)

साइंस कहां से कहां पहुंत गई है इसका उदाहरण आज हम आपको देने वाले है। साइंस के इन बदलावों से कोई लोग खुश होते है तो किसी को यह बदलाव पंसद नहीं आता है। ऐसा ही एक बदलाव साइंस ने अमेरिका के एक 28 साल के शख्स के साथ कर दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 28 साल के इस शख्स को अचानक पता चलता है कि वह गर्भवती है। बता दें कि, इस शख्स ने साल 2020 में एक बेटी को जन्म दिया है। वेस्ट वर्जिनिया के 28 साल के ऐश पैट्रिक स्कैड ने एक बेटी को जन्म दिया है। ऐश का जन्म एक महिला के रूप में हुआ था लेकिन वह खुद को एक पुरूष जैसा महसूस करते थे और इसी कारण वह एक पुरूष बनना चाहते थे। साल 2020 से कुछ साल पहले से वह टेस्टेस्टेरॉन और ऑस्ट्रोजेन ब्लॉकर का सेवन कर रही थी। यह दवाइंया ट्रांजिशन की होती है और इन्हीं का सेवन करने के बाद वह ट्रांजिशन करना चाहती थी। इसी बीच साल 2020 में उन्हें एक सरप्राइज मिल जाता है कि वह गर्भवती हैं।

साइंस भी है कमाल की चीज

ऐश एक पीएचडी स्टूडेंट और मेंटल हेल्थ वर्कर के तौर पर काम करती है। ऐश ने बताया कि, एक डेटिंग ऐप को दौरान वह एक शख्स से मिली थी जिसके साथ उन्होंने एक रात भी गुजारी थी। जब ऐश को अपनी प्रेंगनेंट होने का पता चला तो वह काफी चौक गई और उन्होंने उसी वक्त अपने हॉर्मोन ट्रीटमेंट को रोक दिया। ऐश ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया जिसका नाम उन्होंने रोनन रखा।

डॉक्टर्स भी हुए हैरान

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक ऐश अपने जेंडर को लेकर बहुत समय से परेशान थे और वह यह तय नहीं कर पा रहे थे कि उन्हें महिला रहना है या पुरूष। जब ऐश को अपने गर्भवती होने का पता चला तो उन्होंने तय किया कि वह इस बच्चे को जन्म देंगी। साल 2020 में लॉकडाउन का समय था और उनका यह समय काफी मजेदार भी रहा। इस दौरान उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया और साथ ही उसका पालन-पोषण किया। ऐश इस समय अपने पति जॉर्डन के साथ रहते हैं जो बच्चे का काफी ध्यान रखते हैं। डॉक्टर्स भी ये जानकर हैरान थे कि ऐश कैसे प्रेग्नेंट हुई।

अमेरिका में नस्लीय घृणा का शिकार हुआ एक भारतीय सिख, फिरंगी ने पहले घूंसा मारा और फिर पगड़ी उछाल दी

न्यूयॉर्क(अमेरिका)। (एजेंसी)

अमेरिका से लेकर भारत तक सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरस होने से हड़कंप मच गया है। अमेरिका के लोग अपनी आदतों से बाज आते नहीं नजर आ रहे हैं। नस्लीय भेदभाव से प्रेरित इस वीडियो ने अमेरिका के कुछ लोगों के अंदर लोगों के रंग को लेकर जिस तरह की घृणा है उसको उजागर करता हैं। वीडियो के अनुसार, संदिग्ध घृणा अपराध के एक और मामले में, अमेरिका में एक भारतीय मूल के सिख टैक्सी ड्राइवर पर एक अज्ञात व्यक्ति ने हमला किया, जिसने उसकी पगड़ी उतार दी और उसके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। नवजोत पाल कौर द्वारा 4 जनवरी को माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर 26 सेकंड का अदिनांकित वीडियो अपलोड किया गया था, जिसमें एक व्यक्ति को हवाई अड्डे के बाहर सिख टैक्सी चालक के साथ मारपीट करते हुए दिखाया गया था। उसने कहा कि वीडियो को हवाई अड्डे पर एक दर्शक ने शूट किया था। व्यक्ति को कथित तौर पर पीड़ित के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करते हुए सुना जा सकता है। वह बार-बार उसे घूंसा मारता और उसकी पगड़ी उतार देता।

अमेरिका में फिर हुई भारतीय सिख के साथ बदसलूकी

न्यूयॉर्क में जॉन एफ कैनेडी (जेएफके) अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर एक अज्ञात व्यक्ति ने भारतीय मूल के एक सिख टैक्सी चालक पर हमला किया, उसकी पगड़ी गिरा दी और उसके खिलाफ आपत्तिजनक का इस्तेमाल किया। सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए एक वीडियो में यह घटना सामने आई है।

सिख के प्रति नस्ली घृणा से प्रेरित वीडियो हुआ सोशल मीडिया पर वायरल

यह अमेरिका में नस्ली घृणा से प्रेरित अपराध का एक और संदिग्ध मामला है। नवजोत पाल कौर ने ट्विटर पर चार जनवरी को 26 सेकंड का एक वीडियो अपलोड किया था, जिसमें एक व्यक्ति हवाई अड्डे के बाहर एक सिख टैक्सी चालक पर हमला करता दिख रहा है। कौर ने बताया कि हवाई अड्डे पर खड़े एक अन्य व्यक्ति ने यह वीडियो रिकॉर्ड किया था। यह वीडियो किसी तारीख का है इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

भारतीय सिख के लिए किया गया आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल

वीडियो में व्यक्ति को पीड़ित के खिलाफ आपत्तिजनक का इस्तेमाल करते देखा जा सकता है। वह वीडियो में सिख व्यक्ति को बार-बार पीटते और मुक्के मारते दिख रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि उसने सिख व्यक्ति की पगड़ी भी गिरा दी। कौर ने कहा, 'यह वीडियो जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक अन्य व्यक्ति ने शूट किया था। मैंने यह वीडियो रिकॉर्ड नहीं किया, लेकिन मैं इस तथ्य को उजागर करना चाहती थी कि हमारे समाज में नफरत अब भी बरकरार है और दुर्भाग्य से, मैंने कई सिख कैब चालकों से मारपीट किए जाने की घटनाएं कई बार देखी हैं।' इस घटना या चालक के बारे में और जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

वीडियो वायरल होने के बाद दिया गया कार्यवाही का आश्वासन

एस्पेन इंस्टीट्यूट में इनक्लूसिव अमेरिका प्रोजेक्ट के निदेशक और लेखक सिमरन जीत सिंह ने ट्वीट किया, 'एक अन्य सिख कैब चालक पर हमला किया गया। इस बार

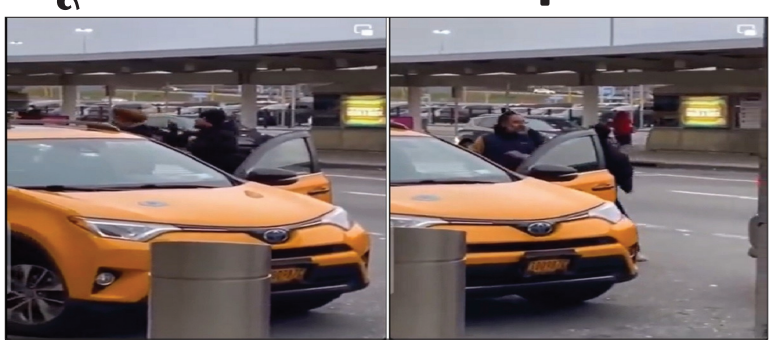

न्यूयॉर्क में जेएफके हवाई अड्डे पर यह हुआ। यह देखकर बहुत दुख हुआ।' उन्होंने कहा, 'जो लोग सिख नहीं है, उन्हें मैं शब्दों में नहीं समझा सकता कि किसी सिख की पगड़ी गिराए जाने का क्या मतलब होता है या किसी अन्य सिख की पगड़ी गिराए जाते देखने पर क्या महसूस होता है।'

सिखों के प्रति नफरत का अमेरिका में ये पहला मामला नहीं है

अमेरिका में किसी सिख टैक्सी चालक पर हमले की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी भारतीय मूल के सिख उबर कैब चालक पर 2019 में हमला किया गया था। इसके अलावा न्यूयॉर्क में 2017 में भी 25 वर्षीय सिख कैब चालक पर हमला हुआ था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विधानसभा चुनाव

विधानसभा चुनाव तिथियों के ऐलान के साथ ही पांच राज्यों में चढ़ा सियासी पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

निर्वाचन आयोग ने देश के पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की तिथियां घोषित कर दी हैं। चुनाव तिथियों की घोषणा के साथ ही देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व का श्रीगणेश हो गया। पंजाब, इसके साथ ही उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर में भी सियासी तापमान बढ़ गया है। इलेक्शन तिथियों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। इस बार सख्त कोरोना प्रोटोकॉल के बीच विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। इस बार चुनाव खर्च बढ़ा दिया गया है। राज्यों के दर्जे के मुताबिक विधायक उम्मीदवार 28 लाख से 40 लाख रुपए चुनाव में खर्च कर सकेंगे। आयकर, डीआरआई, रेलवे सहित कई एजेंसियों और संस्थानों को अलर्ट किया गया है कि नशीले पदार्थ, शराब, काला धन या अन्य फोकट में बांटने की चीजें लाने ले जाने वालों पर कड़ी निगाह रखी जाए। चुनाव आयोग ने सुविधा एप बनाया है। इसके जरिए राजनीतिक दल सीधे आयोग को संपर्क कर सकते हैं। सी विजिल एप जनभागीदारी के लिए बनाया गया है। जनता इसे डाउनलोड कर एमसीसी का कोई भी उल्लंघन का वीडीओ, ऑडियो या सबूत अपलोड कर सकते हैं। शिकायतकर्ता के नाम पते की गोपनीयता के साथ कार्रवाई होगी। सभी बूथ पर पुरुष और महिला सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। दिव्यांगों के लिए विशेष इंतजाम हर बूथ पर किए जाएंगे। व्हील चेयर भी हर बूथ पर उपलब्ध रहेगी। कोविड प्रभावित या कोविड संदिग्ध के घर वीडीओ टीम के साथ आयोग की टीम विशेष वैन से जाएगी। इन्हें बैलेट पेपर से वोट डालने का अधिकार मिलेगा। अपराधिक पृष्ठ भूमि के उम्मीदवारों के लिए अखबार टीवी और मीडिया और वेबसाइट के होम पेज पर तीन बार अलग अलग चरणों पर जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। जनता को पता चले कि उनके उम्मीदवार कैसे हैं। संवेदनशील बूथों पर पूरे दिन वीडीओग्राफी की जाएगी। पांचों राज्यों में एक लाख से ज्यादा बूथों पर लाइव वेबकास्ट होगा। ऑब्जर्वर भी ज्यादा संख्या में तैनात होंगे। इस बार 1250 मतदाताओं पर एक बूथ बनाया गया है। इस लिए पिछले चुनाव की तुलना में 16 फीसदी बूथ बढ़ गए हैं। 1620 बूथ को महिला पोलिंगकर्मी मैनेज करेंगी। 900 आब्जर्बर चुनाव पर नजर रखेंगे। चुनाव आयोग ने सरकारी कर्मचारियों के अलावा 80 साल से ज्यादा उम्र के नागरिकों, दिव्यांगों और कोविड प्रभावित लोगों के लिए पोस्टल बैलेट की व्यवस्था की है।

सीईसी सुशील चंद्र ने कहा इस बार पांच राज्यों के चुनाव में कुल 18 करोड़ 34 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, इनमें सर्विस मतदाता भी शामिल हैं। इनमें से 8 लाख 55 लाख महिला मतदाता हैं।

कोरोना की बढ़ती रफ्तार के बीच मतदाताओं को इन नियमों का करना होगा पालन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। आयोग का कहना है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच चुनाव कराना एक चुनौती है। सभी पांच राज्यों में सात चरणों में चुनाव होंगे। यूपी में सात, मणिपुर में दो, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में एक चरण में चुनाव संपन्न होंगे। 10 मार्च को वोटों की गिनती होगी। आइए जानते हैं चुनाव के दौरान मतदाताओं को किन नियमों का पालन होगा।

एक बूथ पर 1250 वोटर्स करेंगे मतदान

इस बार एक मतदान केंद्र पर 1250 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। सभी पोलिंग बूथ पूरी तरह से सैनिटाइज किए जाएंगे। हर बूथ पर मास्क और सैनिटाइजर मौजूद रहेगा। दिव्यांग वोटर्स के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की जाएगी। सभी पोलिंग बूथ ग्राउंड फ्लोर पर बनाए जाएंगे। कोरोना की वजह से चुनाव आयोग ने इस बार 16 प्रतिशत मतदान केंद्र बढ़ाए हैं। इसके अलावा वोटिंग का समय एक घंटे बढ़ा दिया है। कोरोना संक्रमित व्यक्ति, 80 साल से ज्यादा उम्र के नागरिक, दिव्यांगों के लिए पोस्टल बैलेट की व्यवस्था होगी। कोविड मरीज या संदिग्ध व्यक्ति घर वीडीओ टीम के साथ आयोग की टीम विशेष वैन से जाएगी और वोट डलवाएगी। इन्हें बैलेट पेपर से वोट डालने का अधिकार होगा। वहीं 900 ऑब्जर्वर चुनाव पर नजर रखेंगे। मतदान केंद्र पर मौजूद सभी कर्मचारियों को वैक्सीन की दोनों डोज लगी होंगे। इसके अलावा उन्हें फ्रंटलाइन वर्कर्स मानते हुए बूस्टर डोज दी जाएगी। सभी बूथ पर पुरुष और महिला सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। मतदान केंद्र पर कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन जरूरी होगा। सभी मतदाता सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करेंगे। 15 जनवरी तक किसी भी तरह की जनसभा, रोड शो, बाइक रैली, साइकिल रैली और पदयात्रा को अनुमति नहीं दी जाएगी। 15 जनवरी के बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। सार्वजनिक सड़क पर नुक्कड़ सभा की इजाजत नहीं दी जाएगी। प्रत्याशियों को डोर टू डोर प्रचार के लिए केवल पांच लोगों की अनुमति होगी।

बुल्ली बाई एप को लेकर राहुल गांधी का हमला, भाजपा ने नफरत की कई फैक्ट्री लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने खबर का हवाला देकर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने नफरत की कई फैक्ट्री लगाई हैं।राहुल ने टवीट किया, बुल्ली बाई एप मामले में अभियुक्तों की कम उम्र देखकर पूरा देश पूछ रहा था कि इतनी नफ़रत आती कहां से है? दरअसल भाजपा ने नफ़रत की कई फैक्ट्री लगा रखी हैं। 'टेक फॉग (एप) उनमें से एक है।' इससे पहले, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा पर 'टेक फॉग नामक एक एप के माध्यम से कुछ समुदायों, महिलाओं और विपक्ष के खिलाफ दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाकर कहा था कि मामले पर उच्चतम न्यायालय को संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सरकार को एप के संदर्भ में तत्काल कदम उठाना चाहिए। कांग्रेस के आरोप पर भाजपा की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

लंदन से आई 190 यात्रियों की फ्लाइट में 25 यात्री निकले कोरोना संक्रमित

अमृतसर (एजेंसी)।

इटली के बाद शनिवार को लंदन से आई 190 यात्रियों की फ्लाइट में से 25 यात्री कोरोना संक्रमित हैं। संक्रमित यात्रियों को उनके जिलों में भेजने के लिए प्रशासन द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है, इससे पहले गुरुवार तथा शुक्रवार को क्रमवार इटली से आई फ्लाइट में से 125 यात्री कोरोना संक्रमित थे। जानकारी अनुसार पंजाब में लगातार ओमीक्रोन प्रभावित देशों से आने वाली फ्लाइट में से कोरोना के मरीज पंजाब में आ रहे हैं। इटली से बड़ी तादाद में पंजाब आए विदेशी यात्रियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद शंका के घेरे में आई स्पाइसजेट कंपनी के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच के आदेश दे दिए गए थे और कंपनी के टेस्टिंग कार्यों पर रोक लगा दी गई थी। शनिवार सुबह से अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भसीन पैथ लैब द्वारा अपना कार्य किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि भसीन पैथ लैब की मशीनरी अति आधुनिक तकनीकों से लैस है और पहले भी यह पारदर्शी ढंग से एयरपोर्ट पर काम कर चुकी है।

पार्टियों को बताना होगा दूसरे उम्मीदवार की जगह आपराधिक छवि वालों को क्यों बनाया कैंडिडेटः चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग पांच राज्यों विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान कर रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि पार्टियों को आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों के बारे में अखबार में जानकारी देनी होगी। पार्टियों को बताना होगा कि क्यों दूसरे उम्मीदवार की बजाय आपराधिक छवि वाले कैंडिडेट को ही उतारा गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त इस नए नियम की घोषणा करते हुए आगे कहा कि पार्टियों को यह भी बताना होगा कि उन्होंने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को क्यों चुना। इसके साथ-साथ उम्मीदवारों को भी अपने ऊपर दर्ज आपराधिक मुकदमों के बारे में जानकारी देनी होगी। इसके लिए चुनाव आयोग की ओर से ऐप भी लॉन्च किया गया है। इस ऐप के जरिए लोग अपने उम्मीदवार के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल कर सकते हैं और उनके बारे में जान सकते हैं। बता दें कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं उसमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड शामिल हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि सर्विस मतदाता को मिलाकर 18.34 करोड़ मतदाता इस चुनाव में हिस्सा लेंगे जिनमें से 8.55 करोड़ महिला मतदाता हैं

दिल्ली सरकार ने हाईकोर्ट में कहा, वैवाहिक बलात्कार भारत में एक क्रूर अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली सरकार ने हाईकोर्ट में कहा, कि वैवाहिक बलात्कार भारत में एक क्रूर अपराध है। दिल्ली सरकार ने कोर्ट को बताया कि मैरिटल रेप महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा का सबसे बड़ा रूप है। सरकार ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में यह पहले से ही 'क्रूरता के अपराध' के दायरे में आता है। हाईकोर्ट वैवाहिक बलात्कार के अपराधीकरण की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजाल्विस ने कहा कि मैरिटल रेप यौन हिंसा का सबसे बड़ा रूप है जो हमारे घरों की सीमा में होता है। विवाह संस्था में कितनी बार बलात्कार होता है और कभी रिपोर्ट नहीं किया जाता है? इस आंकड़े की रिपोर्ट या विश्लेषण नहीं किया जाता है। गोंजाल्विस ने तर्क दिया कि पीड़ितों की मदद के लिए न तो परिवार और न ही पुलिस अधिकारी आते हैं। जनहित याचिकाएं एनजीओ आरआईटी फाउंडेशन, ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमेन्स एसोसिएशन, एक पुरुष और एक महिला द्वारा दायर की गई थीं, जिसमें भारतीय बलात्कार कानून के तहत पतियों को दिए गए अपवाद को खत्म करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता महिला का प्रतिनिधित्व कर रहे गोंजाल्विस ने जस्टिस राजीव शकधर और जस्टिस सी हरि शंकर की बेंच को बताया कि दुनिया भर की अदालतों ने मैरिटल रेप को एक अपराध के रूप में मान्यता दी है और यौन संबंध स्थापित करने के लिए पत्नी की अपरिवर्तनीय सहमति की अवधारणा को निरस्त कर दिया है। दिल्ली सरकार की वकील नंदिता राव ने कहा कि विवाहित महिलाओं और अविवाहित महिलाओं को हर एक कानून के तहत अलग-अलग रखा गया है। राव ने कहा कि मैरिटल रेप भारत में निर्मम अपराध है। विवाहित महिलाएं और अविवाहित महिलाएं हर एक कानून के तहत अलग हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक याचिकाकर्ता के मामले में भी, जिसने बार-बार मैरिटल रेप की शिकार होने का दावा किया, आवश्यक कार्रवाई के लिए आईपीसी की धारा 498 ए के तहत एफआईआर दर्ज की गई। आईपीसी की धारा 498ए किसी विवाहित महिला के पति या उसके रिश्तेदार द्वारा उससे निर्ममता बरते जाने से संबद्ध है, जहां निर्ममता का मतलब जानबूझ कर किया गया कोई ऐसा व्यवहार है जो इस तरह की प्रकृति का हो, जो महिला को आत्महत्या की ओर ले जाता हो या गंभीर चोट या जीवन, शरीर के अंग, स्वास्थ्य (मानसिक या शारीरिक) को खतरा पैदा करता हो।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक को किरण बेदी ने बताया बड़ी साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर जहां कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे पर बयानबाजी कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी इस घटना को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं। अब इस मामले पर पूर्व आईपीएस किरण बेदी ने भी पंजाब सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने इसमें पूर्व नियोजित साजिश होने की आशंका जाहिर की है। उन्होंने कहा डीजीपी की गैर हाजिरी ही सबसे बड़ी चूक है। राज्य के गृह मंत्री और गृह सचिव भी मौजूद नहीं थे। जिलाधिकारी भी नदारद थे, इन सभी को देखते हुए यह चूक नहीं साजिश लग रही है। कांग्रेस महाराष्ट्र प्रमुख नाना पटोले ने इस मामले पर कहा कि ऐसी गलतियों के कारण भारत ने अपने 2 प्रधानमंत्री खो दिए हैं और कांग्रेस नुकसान को समझ चुकी है। पीएम का सुरक्षा उल्लंघन गलत था, लेकिन सामने आए वीडियो के मुताबिक आखिरी वक्त में उनका रूट क्यों बदला गया और भाजपा कार्यकर्ता वहां कैसे जमा हुए?पीएम की सुरक्षा में हुई चूक को शिवसेना, बसपा से लेकर कांग्रेस नेता तक गलत ठहरा चुके हैं और दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर चुके हैं। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने पीएम की सुरक्षा में चूक पर कहा प्रधानमंत्री पूरे देश के हैं, उनकी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए, मोदी के पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा में मिली खामियां गंभीर हैं। इन गलतियों के कारण देश ने दो प्रधानमंत्रियों को खो दिया है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी चिंता जताते हुए कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के अभी हाल के पंजाब दौरे में जो सुरक्षा चूक हुई है वह अति-चिंतनीय है और इसकी पूरी गंभीरता से उच्च-स्तरीय निष्पक्ष जांच जरूरी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पूरी घटना को दुखद बताते हुए पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में इस तरह की चूक चिंताजनक निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है।

रैलियों पर लगा बैन

डिजिटल रैली में बीजेपी से मुकाबला नहीं कर सकते पैसे दे चुनाव आयोग : अखिलेश यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने शनिवार को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। इसके मुताबिक उत्तर प्रदेश में 10 फरवरी से 7 मार्च के बीच 7 चरणों में मतदान होगा। हालांकि इस दौरान चुनाव आयोग ने कहा कि किसी भी राज्य में रैलियों और रोड शो के आयोजन की इजाजत नहीं होगी। आयोग के इस फैसले से सपा प्रमुख अखिलेश यादव खासा नाराज दिखे। आयोग ने कहा कि इन चुनावों में 15 जनवरी तक किसी भी नुक्कड़ सभा व साइकिल रैली या बाइक रैली और पदयात्रा जैसी चीजों पर भी रोक रहेगी। आयोग ने कहा कि केवल डिजिटल रैलियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसको लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि अगर चुनाव आयोग यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में राजनीतिक दलों के लिए वर्चुअल रैलियों के पक्ष में है, तो आयोग को इसे सभी राजनीतिक दलों के लिए एक समान खेल मैदान बनाना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा, पहली बार कोरोना के समय में इस तरह से चुनाव हो रहा है। आयोग ने कई तरह के नियम बनाए हैं। लेकिन वर्चुअल रैलियों की हम बात करें तो आयोग को उन पार्टियों के बारे में भी सोचना चाहिए, जिनके पास वर्चुअल रैली के लिए पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा, चुनाव आयोग को विपक्षी दलों को टीवी पर अधिक समय देना चाहिए और यह फ्री में मिलना चाहिए। भाजपा के पास पहले से ही बहुत इन्फ्रास्ट्रक्चर है। इलेक्शन बॉन्ड भी उन्हें ही सबसे ज्यादा मिलते हैं। विपक्षी पार्टियों को भी कहीं न कहीं स्पेस मिलना चाहिए।÷ भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा, पंचायत चुनाव में लोगों ने देखा था कि भाजपा के कार्यकर्ता अधिकारी बन गए थे। कोरोना के काल में लोगों ने देखा था कि कैसे लोगों के परिजनों को ऑक्सीजन नहीं मिले और बिस्तर नहीं मिले। चुनाव आयोग को सख्ती सरकार के लिए रखनी चाहिए। वही मनमानी करती है। 10 मार्च को भाजपा का सफाया हो जाएगा। चुनाव आयोग द्वारा नई दिल्ली में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से कुछ घंटे पहले लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में, अखिलेश यादव ने कहाः चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को कुछ फंड देना चाहिए ताकि वे (राजनीतिक दल) एक कदम आगे बढ़ें, बुनियादी ढांचा तैयार करें क्योंकि हम भाजपा के बुनियादी ढांचे के साथ मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए हम अपील करते हैं कि चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को सरकार से कुछ फंड दिलवाना चाहिए ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी राजनीतिक दल जिनके पास भाजपा की तरह मजबूत नहीं है, वे

संक्षिप्त समाचार

आयकर विभाग ने वाराणसी में तंबाकू व्यवसायी के घर छापा मारा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आयकर विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने टैक्स चोरी के आरोप में वाराणसी के तंबाकू व्यवसायी लक्ष्मीकांत पांडे के घर पर छापेमारी की। पांडे को 'पम्मी' के नाम से भी जाना जाता है। वह गुटखा के आशिकी ब्रांड के मालिक हैं और वाराणसी से अपना व्यापार चलाते हैं, जहां शुक्रवार रात छापेमारी शुरू की गई। ब्रांड पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रसिद्ध है और पांडे लखनऊ, जौनपुर और प्रतापगढ़ में अपने उत्पादों की आपूर्ति करते हैं। आईटी अधिकारियों ने कहा उन्हें सूचना मिली थी कि महामारी में कंपनी टैक्स चोरी के आरोप में शामिल हैं। इस मामले में उच्चाधिकारियों से चर्चा के बाद छापेमारी के लिए विभाग के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई थी। टीम ने पाया कि पांडे एक निजी स्कूल भी चला रहे हैं। उन्होंने निजी स्कूल की फ्रेंचाइजी ली थी जिसमें उन्होंने कथित तौर पर अपनी आईटी फाइलिंग में नहीं दिखाया था।छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने वहां सभी कर्मचारी को फोन बंद करने को कहा और बाहर नहीं जाने को बोला। आईटी टीम ने लैपटॉप, कंप्यूटर हार्ड डिस्क, रियल एस्टेट पेपर, खाता बही, बैंक खातों का विवरण, पासबुक और लेनदेन, बैंक लॉकर से संबंधित कागज और अन्य संपत्ति के दस्तावेजों की जांच की। आईटी टीम ने उनके घर और फैक्ट्री में रखे कच्चे माल की भी जांच की, जबकि यह पता लगाने की कोशिश की गई कि क्या कच्चे माल की खरीद का कागज वस्तुओं से मेल खाता है या नहीं। टीम ने पाया कि पांडे प्रेमचंद नगर, गोइथवा गांव, नखी घाट और सोइपुर में अपनी कई फैक्ट्रियां चला रहा था। आईटी अधिकारियों ने दावा किया है कि उन्होंने कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं। टीम, पांडे के चार्टर्ड एकाउंटेंट से अन्य व्यापारियों के साथ उसके व्यवहार के बारे में पूछताछ कर सकती है और उनके लेनदेन के बारे में पता लगाएगी।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उज्जैन में महाकाल के दर्शन किए

भोपाल (एजेंसी)।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान शनिवार को मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मंदिर परिसर के नंदी हाल के बैरिकेड्स के पीछे से दर्शन किए। इस अवसर पर पुजारियों ने उनका स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि कोरोना संक्रमण के कारण मंदिर में प्रवेश का समय सुबह 6 से रात 9 बजे तक कर दिया गया है। गर्भगृह और नंदीहाल में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। मध्य प्रदेश के दौरे पर आए खान शुक्रवार देर रात शहर पहुंचे। वह शनिवार सुबह महाकाल मंदिर पहुंचे और आरती में शामिल हुए। गोविंद दुबे एवं महाकाल मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने खान को शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया और प्रसाद भी दिया। खान ने कहा दुनिया महामारी का सामना कर रही है। उन्होंने कहा मैंने भगवान महाकाल से देश के साथ-साथ दुनिया को महामारी से बचाने की प्रार्थना की। खान 40 मिनट मंदिर में रुके। खान एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने उज्जैन आए थे, इसके बाद वह इंदौर के लिए रवाना होंगे। भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर देश के 12 'ज्योतिर्लिंगों' में से एक माना जाता है, जो बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। पुजारियों ने अनुष्ठान के अनुसार पूजा की जबकि खान ने कोविड-19 के दिशानिर्देशों के अनुसार बैरिकेड्स के पीछे खड़े होकर प्रार्थना की।

दिल्ली में लागू किया गया सप्ताहांत कर्फ्यू, आदेश लागू करने के लिए तैनात की गईं टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए शुक्रवार रात से सप्ताहांत कर्फ्यू लागू होने के साथ कोविड संबंधित दिशा निर्देशों के उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैद हैं। सप्ताहांत कर्फ्यू शुक्रवार रात 10 बजे लागू होकर सोमवार सुबह पांच बजे तक लागू रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान दल क्षेत्रों में मौजूद रहेंगे ताकि कर्फ्यू आदेश का उल्लंघन न किया जाए और लोग अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। एक अधिकारी ने कहा कि हम कर्फ्यू के नियमों और कोरोना वायरस से संबंधित अन्य दिशा निर्देशों को लागू कराने के लिए तैयार हैं। ऐसी संभावना है कि बारिश होने के कारण लोग घरों के भीतर ही रहेंगे जिससे हमारा काम थोड़ा आसान हो जाएगा। दिल्ली में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर सरकार ने मंगलवार को सप्ताहांत कर्फ्यू की घोषणा की थी। कर्फ्यू के दौरान केवल आवाश्यक सेवाओं में शामिल लोग और आपात स्थिति का सामना करने वाले लोगों को ही घरों से बाहर निकलने की अनुमति दी जाएगी। बाहर निकलने वाले लोगों को सरकार द्वारा जारी ई-पास या वैध पहचान पत्र दिखाना होगा। सप्ताहांत कर्फ्यू के दौरान केवल आवश्यक सामान जैसे कि किराने का सामान, चिकित्सा उपकरण, दवाएं बेच रही दुकानों को ही खोलने की अनुमति दी जाएगी।

डब्ल्यूएचओ ने जन स्वास्थ्य से जुड़े एवं सामाजिक कदमों का सख्ती से लागू करने को कहा

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के अधिकतर देशों में कोरोना के मामलों में तेजी से हुई बढ़ोतरी के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जन स्वास्थ्य से जुड़े एवं सामाजिक कदमों का सख्ती से क्रियान्वयन करने का आग्रह किया। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि ओमीक्रोन स्वरूप भले ही कम गंभीर दिखाई देता है, लेकिन इस मामूली' कहकर खारिज नहीं कर सकते हैं। दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि सभी एहतियाती और सुरक्षात्मक कदमों को पूरी ईमानदारी से लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, प्राधिकारियों को वायरस को और फैलने से रोकने की स्थिति के अनुसार कदम उठाना होगा। लोगों को नियमों का पालन करना होगा। मास्क लगाना, हाथों को साफ रखना, खांसते समय उपयुक्त व्यवहार का पालन करना, हवा का पर्याप्त आवागमन सुनिश्चित करना और सामाजिक दूरी बनाए रखना अत्यावश्यक है।'' सिंह ने कहा कि ओमीक्रोन स्वरूप को 'मामूली' कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत संक्रामक स्वरूप दुनियाभर की स्वास्थ्य प्रणालियों पर पहले ही दबाव बना रहा है और लोगों के अस्पताल में भर्ती होने एवं उनकी मौत के मामले वैश्विक स्तर पर सामने आ रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईसी ने 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव तिथियों का किया ऐलान

▸▸ यूपी में 7 चरणों में होगा चुनाव
▸▸ 10 मार्च को आएंगे परिणाम
▸▸ पंजाब और उत्तराखंड में एक राउंड में होगा मतदान
▸▸ रैली, रोड शो पर रोक, सिर्फ वर्चुअल कैंपेन की होगी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

उत्तर प्रदेश समेत 5 राज्यों के बहुप्रतीक्षित चुनावों की तिथियों की घोषणा निर्वाचन आयोग ने कर दी है। लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल कहे जा रहे इन चुनावों में 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में 7 चरणों मतदान होगा। इसके अलावा उत्तराखंड, गोवा और पंजाब में 14 फरवरी को एक ही राउंड में मतदान होना है। मणिपुर में दो चरणों में 27 फरवरी और 3 मार्च को वोटिंग होगी। उत्तर प्रदेश में पहले राउंड की वोटिंग 10 फरवरी को होगी। इसके बाद दूसरे चरण का मतदान 14 फरवरी को होना है। 20 फरवरी को तीसरे और 23 तारीख को चौथे राउंड की वोटिंग होगी। 27 फरवरी को 5वें, 3 मार्च को छठे और 7 मार्च को 7राउंड का मतदान होना है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि 10 मार्च को सभी 5 राज्यों के नतीजों का ऐलान किया जाएगा। यूपी समेत सभी 5 राज्यों में वोटिंग का समय एक घंटा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा सभी राज्यों में 15 जनवरी तक किसी भी तरह की रैली, रोड शो, बाइक रैली, नुक्कड़ सभाओं पर रोक लगा दी गई है। सिर्फ वर्चुअल कैंपेन की ही अनुमति होगी। 15 जनवरी के बाद हालात की समीक्षा की जाएगी। यदि कोरोना नियंत्रण में होता है तो फिर कुछ छूट दी जा सकती हैं। चुनाव की समाप्ति के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस पर रोक होगी।

पांच राज्यों में कुल 18.34 करोड़ वोटर्स डालेंगे वोट

24.9 लाख पहली बार करेंगे मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने शनिवार को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर के लिए विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इन पांच राज्यों में होने वाले चुनाव में कुल 18.34 करोड़ वोटर हिस्सा लेंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में इस बार 24.9 लाख मतदाता ऐसे होंगे जो पहली बार वोट डालेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इस चुनाव में कुल 18.34 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे, जिनमें से 8.55 करोड़ महिला मतदाता हैं। जबकि 24.9 लाख मतदाता पहली बार पंजीकृत हुए हैं। चुनाव आयोग ने हर विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के लिए कम से एक मतदान केंद्र बनाया जाएगा जिसका संचालन महिलाओं द्वारा ही किया जाएगा। चुनाव आयोग ने कहा कि पांच राज्यों में कुल 690 विधानसभा सीटें हैं, इनमें से हम 1620 महिला मतदान केंद्र स्थापित करेंगे। चुनाव आयोग ने कोरोना वायरस महामारी का ध्यान रखते हुए 80 साल से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक, विकलांग व्यक्ति और कोरोना पोस्टल बैलट के जरिए वोट डाल सकते हैं। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 403 सीटों पर मतदान होना है। उत्तराखंड में 70 सीटें, पंजाब में 117, गोवा में 40 और मणिपुर में 60 सीटों के लिए मतदान होना है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के तहत 10 फरवरी से लेकर सात मार्च तक सात चरणों में मतदान होगा, वहीं उत्तराखंड, पंजाब और गोवा में 14 फरवरी को एक चरण में वोट डाले जाएंगे। मणिपुर में दो चरणों में 27 फरवरी और तीन मार्च को मतदान होगा। सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना 10 मार्च को होगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 14 मई को पूरा हो रहा है जबकि उत्तराखंड और पंजाब विधानसभा का कार्यकाल 23 मार्च को समाप्त हो रहा है। गोवा विधानसभा का कार्यकाल 15 मार्च और मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 19 मार्च को समाप्त हो रहा है।

रैली रोड शो और पदयात्रा पर रोक वर्चुअल रैलियां करें पार्टियां: चुनाव आयोग

नई दिल्ली। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का ऐलान किया जा चुका है। इसी के साथ ही चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि किसी भी राज्य में रैलियों और रोड शो के आयोजन की इजाजत नहीं होगी। इसके अलावा किसी नुक्कड़ सभा का आयोजन भी सार्वजनिक स्थानों पर नहीं किया जा सकेगा। साइकिल रैली और बाइक रैली और पदयात्रा जैसी चीजों पर भी रोक रहेगी। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि बाइक रैली पर भी पाबंदी रहेगी। रात 8 बजे के बाद चुनाव प्रचार पर रोक रहेगी। चुनाव आयोग ने चुनावी पार्टियों से कहा है कि वो ज्यादा से ज्यादा वर्चुअल रैली या डिजीटल रैली पर जोर दें। बता दें कि यह सभी पाबंदियां 15 जनवरी तक लागू रहेगी। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि 15 जनवरी के बाद इसकी समीक्षा की जाएगी और फिर आगे इसपर फैसला लिया जाएगा। चुनाव आयोग ने कहा है कि डोर टू डोर कैंपेन में भी 5 से ज्यादा लोग नहीं जा सकते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि कोरोना वायरस के बीच चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन लेकिन यह हमारा कर्तव्य है। चुनाव तैयारियों की समीक्षा की गई है। कोरोना नियमों के साथ चुनाव कराएंगे। पैसे के दुरुपयोग पर आयोग की कड़ी नजर रहेगी। सभी एजेंसियों को हिदायत दी गई है कि शराब, ड्रग, पैसे बाटने वालों पर सख्ती से नजर रखी जाए। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों का ऐलान चुनाव आयोग ने कर दिया है।

सभी चुनाव अधिकारियों के लिए कोरोना की दोनों डोज जरूरी-

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव के दौरान कोरोना नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि हमें महामारी से निकलने का यकीन रखना होगा। उन्होंने नियमों के बारे में बताते हुए एक शेर से शुरुआत की। सुशील चंद्रा ने कहा, 'यकीन हो तो कोई रास्ता निकलता है, हवा की ओट लेकर भी चिराग जलता है।' चुनाव में तैनात सभी कर्मियों को वैक्सीन की दोनों डोज लगी होनी चाहिए। चुनाव आयुक्त ने कहा कि उत्तराखंड और गोवा में ज्यादातर लोगों को दोनों डोज लग चुकी हैं। यूपी में 90 फीसदी वयस्कों को कम से एक टीका लग चुका है।चुनाव आयोग ने कहा कि इलेक्शन के दौरान अवैध पैसे और शराब पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा कोरोना संकट को देखते हुए उम्मीदवारों को ऑनलाइन नामांकन की भी सुविधा दी जाएगी। चुनाव आचार संहित इलेक्शन शेड्यूल जारी होने के बाद ही लागू हो जाएगी। चुनाव की अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और इसके चलते अब किसी भी राज्य में कोई सरकार जनता को लुभाने की घोषणाओं का ऐलान नहीं कर सकेगी।

आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों के बारे में अखबार में देनी होगी जानकारी

मुख्य चुनाव आयुक्त ने एक नियम की घोषणा करते हुए कहा कि यदि कोई राजनीतिक दल आपराधिक छवि वाले कैंडिडेट को चुनता है तो उसके बारे में अखबारों में जानकारी देनी होगी। इसके अलावा यह भी बताना होगा कि उन्हें क्यों चुना गया है। उम्मीदवारों को भी अपने ऊपर दर्ज आपराधिक मुकदमों के बारे में जानकारी होगी। नो योर कैंडिडेट ऐप भी लॉन्च किया गया है। इसके जरिए लोग अपने उम्मीदवार के बारे में विस्तार से जान सकेंगे। मुख्य आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि सभी राज्यों में कुल 900 पर्यवेक्षक चुनावी प्रक्रिया पर नजर रखेंगे।

हर कार्यक्रम की होगी वीडियोग्राफी-

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि सभी कार्यक्रमों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। कोरोना काल में चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण है। यूपी समेत 5 राज्यों के चुनावों में 690 सीटों पर मतदान कराया जाना है। हमने सभी राज्यों के डीजीपी और प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर चुनावी तैयारियों का जायजा लिया है। कोरोना काल में भी चुनाव कराना हमारा कर्तव्य है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि 1620 पोलिंग स्टेशनों पर महिला कर्मचारी होंगी। सभी राज्यों के लिए मतदाता सूची 5 जनवरी को प्रकाशित हुई है। इसमें 24.9 लाख नए वोटर जोड़े गए हैं। पोलिंग स्टेशनों में 16 फीसदी का इजाफा हुआ है।

निजी क्षेत्र, शिक्षा और बच्चों के समग्र विकास में 'आत्मनिर्भरता' की एक क्रांति ला सकता है: रक्षामंत्री राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 8 जनवरी, 2022 को सैनिक विद्यालयों पर एक वेबीनार की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा, ÷100 नए सैनिक विद्यालयों की स्थापना से लड़कियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने और राष्ट्रीय सुरक्षा में अपना योगदान करने का अवसर मिलेगा। राजनाथ सिंह ने बताया कि सरकार सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाने में विश्वास रखती है और इस दिशा में लगातार कई कदम उठाए गए हैं। इनमें सैनिक विद्यालयों में लड़कियों के नामांकन का रास्ता साफ करना और महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान करना शामिल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए सैनिक विद्यालय स्थापित करने का निर्णय लड़कियों को देश की सेवा करने के अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। रक्षा मंत्री ने सैनिक विद्यालयों के विस्तार की घोषणा को पिछले छह-सात वर्षों में बच्चों की बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और देश के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए सरकार के कई महत्वपूर्ण निणर्यों में से एक बताया। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि आने वाले समय में सैनिक विद्यालयों में रक्षा और शिक्षा का एकीकरण राष्ट्र के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि जहां 'सैनिक' एकता, अनुशासन और निष्ठा को दर्शाता है। वहीं 'विद्यालय' शिक्षा का केंद्र है। इस आधार पर सैनिक विद्यालय बच्चों को सक्षम नागरिक बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, क्योंकि यह समाज के सर्वांगीण विकास के लिए एक मजबूत नींव रखती है। उन्होंने कहा, 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संयुक्त राष्ट्र के अपनाए गए 17 सतत विकास लक्ष्यों का आधार है। 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' के तहत कई अन्य लक्ष्य हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति को लेकर हमारी मजबूत राजनीतिक प्रतिबद्धता रही है। सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान जैसी कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इस दिशा में 100 नए सैनिक विद्यालयों की स्थापना एक और महत्वपूर्ण कदम है।

रक्षा मंत्री ने स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, डॉ. बी.आर. आंबेडकर और सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दूरदर्शी विचारकों के आदर्शों को लागू करने के लिए सैनिक स्कूल सोसाइटी की सराहना की, जिन्होंने शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास पर जोर दिया।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में कोरोना की

तीसरी लहर आ चुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मोदी सराकर के आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को ताजा आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि बेहद संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप के कारण सभी राज्यों में कोविड-19 की तीसरी लहर तेजी से फैल रही है। कुछ दिनों पहले तक केवल देश के पश्चिमी क्षेत्र में ही ओमीक्रोन के कारण कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई थी, जबकि पूर्वोत्तर के राज्यों, बंगाल, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में डेल्टा स्वरूप मामलों के बढ़ने का प्रमुख कारण था। एक सूत्र ने बताया कि ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि सभी पूर्वी राज्यों में भी ओमीक्रोन से संक्रमण के मामले बढ़े हैं।सूत्र ने कहा, इसकारण कहा जा सकता है कि सभी राज्यों में बेहद संक्रामक के ओमीक्रोन स्वरूप के कारण कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर तेजी से फैल रही है।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 1,41,986 नए मामले आए हैं,इससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,53,68,372 हो गई है। सरकार ने लोगों से कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करने और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचने का फिर से आग्रह किया है। केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बुनियादी ढांचे की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए भी कहा है, जिसमें कोविड -19 के कारण अस्पताल में दाखिले में संभावित वृद्धि के मद्देनजर किसी भी कमी से बचने के लिए क्षेत्र/अस्थायी अस्पतालों की फिर से स्थापना शामिल है।

कोविड से उबर चुके लोगों में ओमिक्रॉन से संक्रमित होने की संभावना 3 से 5 गुना अधिक : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, जो लोग कोविड-19 से उबर चुके हैं, उनमें डेल्टा की तुलना में ओमिक्रॉन वेरिएंट से दोबारा संक्रमित होने की संभावना 3 से 5 गुना अधिक है। डब्ल्यूएचओ के यूरोप के क्षेत्रीय निदेशक हैंस हेनरी पी क्लूज के अनुसार, ओमिक्रॉन वेरिएंट लोगों में पिछली इम्युनिटी से बच सकता है। क्लूज ने हाल के एक नोट में कहा तो यह अभी भी उन लोगों को संक्रमित कर सकता है जिनको अतीत में कोविड-19 हुआ है, जो बिना टीकाकरण वाले हैं और जिन्हें कई महीने पहले टीका लगाया गया था। उन्होंने कहा तीन चीजें हैं जो हमें तत्काल करने की आवश्यकता है- टीकाकरण के माध्यम से अपनी रक्षा करें, आगे के संक्रमणों को रोकें और मामलों में वृद्धि के लिए स्वास्थ्य प्रणाली तैयार करें। क्लूज ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों को क्षमता को मजबूत करना चाहिए, परीक्षण बढ़ाना चाहिए और क्षमताओं का पता लगाना चाहिए, मामले के प्रबंधन में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को शामिल करना चाहिए, अस्पतालों को तैयार करना चाहिए, स्वास्थ्य और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं का समर्थन करना चाहिए। यूरोप में इस हफ्ते पहली बार कोविड के मामले 10 लाख के पार पहुंचे। महामारी की शुरूआत के बाद से, यूरोप ने 100 मिलियन से अधिक कोविड मामले दर्ज किए हैं, जो दुनिया भर में सभी संक्रमणों के एक तिहाई से अधिक हैं। इस बीच, भारत ने 24 घंटों में मामलों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, क्योंकि इसने शुक्रवार को 114 लाख से अधिक ताजा कोविड संक्रमण दर्ज किए।

कश्मीर के अधिकतर स्थानों पर बर्फबारी और बारिश, 10 उड़ानें रदद हुई

श्रीनगर (एजेंसी)।

कश्मीर के अधिकतर स्थानों पर रातभर हुई बर्फबारी और खराब मौसम के कारण शनिवार को कम से कम 10 उड़ानें रदद हुई और कई उड़ानों के परिचालन में देरी हुई तथा कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया। अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण 136 किलोमीटर लंबे बनिहाल-बारामूला रेलखंड पर भी रेल सेवा बाधित हुई। इस बीच, रियासी जिले में स्थित प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में मौसम की पहली बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार तड़के वैष्णो देवी में चार इंच बर्फबारी हुई और भैरो घाटी सहित ऊंचाई वाले इलाके भारी बर्फबारी के कारण ढक गए। यात्रा सुचारू रूप से जारी है, लेकिन खराब मौसम के कारण बैटरी कार सेवा और हेलीकॉप्टर सेवा बाधित हुई है। उन्होंने बताया कि ताजा जानकारी मिलने तक तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा में तेज बारिश जारी थी। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर में शुक्रवार दोपहर को जारी हुई बर्फबारी रात को अधिकतर स्थानों पर जारी रही।

घाटी में कई स्थानों पर रुक-रुक कर बर्फबारी जारी रही। उन्होंने बताया कि कश्मीर के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई, जबकि कहीं-कहीं मध्यम से भारी बर्फबारी हुई। श्रीनगर में करीब चार इंच ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। गुलमर्ग में एक फुट, काजीगुंड में आठ इंच और शोपियां में करीब 15 इंच बर्फबारी हुई। इसके अलावा कई स्थानों में भारी बारिश भी हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (यातायात) शब्बीर अहमद मलिक ने बताया कि बनिहाल सेक्टर में भारी बर्फबारी और रामबन जिले में कई भूस्खलनों के कारण 270 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग शुक्रवार दोपहर से बंद है, जिसके कारण कई वाहन रास्ते में फंसे हैं। बर्फबारी के कारण कुछ इलाकों में विद्युत आपूर्ति और इंटरनेट सेवाएं भी बाधित हुई है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को होने वाली परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया है। इस बीच, उन्होंने बताया कि श्रीनगर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापान 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुलमर्ग में शून्य से 4.6 डिग्री नीचे, पहलगाम में शून्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस नीचे, काजीगुंड में शून्य डिग्री, कोकेरनाग में शून्य से 0.9 डिग्री नीचे और कुपवाड़ा में शून्य डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई